A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 21 मई, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 251, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत की पाकिस्तान नीति में 180 डिग्री का अहम बदलाव

सान्या ढींगरा

भारत और पाकिस्तान के बीच सभी सैन्य शत्रुता को रोकने के समझौते के कुछ दिनों बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान और आतंकवाद के प्रति एक नए सिद्धांत की रूपरेखा पेश की, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर को एक जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि भारत के लिए 'न्यू नॉर्मल' बताया। तीन सूत्री सिद्धांत के अनुसार, भारत अब आतंकवादियों और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच फर्क नहीं करेगा, 'परमाणु ब्लैकमेल' के झांसे में नहीं आएगा और अपनी शर्तों पर, अपने समय और स्थान पर आतंकवादी करतूतों का जवाब देगा।

यह नया सिद्धांत उस समय से 180 डिग्री अलग है, जब मोदी 2014 में पहली बार सत्ता में आए थे, जब उन्होंने सोचा था कि, जैसा कि अधिकांश भारतीय प्रधानमंत्रियों ने सोचा था, वह अपने भाईचारे के प्रतिद्वंद्वी के साथ स्थायी शांति के ऐतिहासिक कार्य को पूरा कर सकते हैं। पाकिस्तान के प्रति उनके अप्रत्याशित कदम – पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ को अन्य दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) नेताओं के साथ अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करना, या दिसंबर 2015 में लाहौर की उनकी आश्चर्यजनक यात्रा– इस दिशा में उठाए गए कदम थे।

हालांकि, जनवरी 2016 के पठानकोट हमले और उसी साल सितंबर में उरी हमले से लेकर फरवरी 2019 के पुलवामा हमले और इस साल अप्रैल में पहलगाम हमले तक लगातार आतंकी हमलों के बाद मोदी का पाकिस्तान के प्रति रुख लगातार आक्रामक होता जा रहा है। उरी हमले के बाद भारत की सर्जिकल स्ट्राइक, जो एक जवाबी कार्रवाई के रूप में शुरू हुई थी, अब एक पूर्ण नीति सिद्धांत में बदल गई है, जिसे पाकिस्तानी प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमलों के बाद मोदी की बदलती प्रतिक्रियाओं के माध्यम से मापा जा सकता है।

2014 के चुनावों में, भाजपा के तत्कालीन प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार मोदी ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निशाना साधते हुए बार-बार पाकिस्तान का मुद्दा उठाया। 2002 में, गुजरात चुनावों के दौरान, गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी ने तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को 'मियां मुशर्रफ' कहकर संबोधित किया था। हालांकि, मोदी की लाहौर यात्रा के कुछ ही हफ्तों के भीतर यानी 2 जनवरी 2016 को पठानकोट में भारतीय वायुसेना के अड्डे पर हुए हमले ने दोनों प्रधानमंत्रियों, नरेंद्र मोदी और नवाज़ शरीफ के बीच विकसित हो रहे मधुर संबंधों को बिगाड़ने की कोशिश की। इस हमले को नाकाम कर दिया गया और मोदी की तत्काल प्रतिक्रिया बस यही थी कि 'मानवता के दुश्मन जो भारत की प्रगति नहीं देख सकते' उसने इस हमले की योजना बनाई है। एक सुलह के संकेत के रूप में, नवाज़ शरीफ ने मोदी को फोन किया। उस समय कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मोदी पर पाकिस्तान के प्रति बहुत नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया था। कुछ टिप्पणीकारों ने तर्क दिया है कि पाकिस्तानी जांच दल की रिपोर्ट मोदी के लिए 'अंतर्दृष्टि' का क्षण था। इसके बाद, वह पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति में और अधिक आक्रामक होते चले गए। बिसारिया के अनुसार, यह 2016 की गर्मियों की बात है, जब आतंकवादी नेता बुरहान वानी के सरकारी बलों के साथ मुठभेड़ में मारे जाने के बाद कश्मीर घाटी में घातक हिंसा भड़क उठी थी, जिसने पाकिस्तान के प्रति मोदी के रुख को बदल दिया। भारत द्वारा पठानकोट हमले को विफल करने के महीनों बाद, 18 सितंबर, 2016 को जैश-ए-मोहम्मद के चार आतंकवादियों ने उरी के पास भारतीय सेना के ब्रिगेड के मुख्यालय पर हमला किया, जिसमें 19 भारतीय सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इस बार, मोदी ने तुरंत जवाबी कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'इस घृणित हमले के पीछे जो लोग हैं, उन्हें सज़ा नहीं मिलेगी।' कुछ दिनों बाद, भारत ने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक की. सेना ने पीओके में आतंकी लॉन्चपैड को नष्ट करने के लिए नियंत्रण रेखा पार की।

मोदी ने स्ट्राइक के तुरंत बाद कोई बयान नहीं दिया. हालांकि, उन्होंने 2017 के उत्तर प्रदेश चुनावों के दौरान स्ट्राइक का ज़िक्र किया। 2019 में एक इंटरव्यू में उन्होंने संकेत दिया कि आतंकी हमलों के खिलाफ सैन्य जवाबी कार्रवाई नीति का विषय बन सकती है। जब 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में फिर से आतंकी हमला हुआ, जिसमें एक काफिले को निशाना बनाया गया और वाहनों में सवार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान मारे गए, तो मोदी ने उन्हें माफ नहीं किया। घटना के 13 दिनों के बाद, मोदी सरकार ने पाकिस्तान में हवाई हमले किए। वायुसेना के एक दर्जन मिराज लड़ाकू विमानों ने नियंत्रण रेखा से लगभग 20 किलोमीटर आगे बढ़कर पाकिस्तान के इलाके में बालाकोट में जैश के प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाया। इस समय, मोदी ने पहली बार पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के जवाब में 'घर में घुस के मारेंगे' रणनीति को लोकप्रिय बनाया। मोदी ने कहा, 'जब बड़े और कड़वे फैसले लेने की बात आती है तो हम पीछे नहीं हटेंगे। हमारा सिद्धांत है, हम घर में घुस के मारेंगे।' तब से, यह मुहावरा उनकी आतंकवाद विरोधी नीति का प्रतीक बन गया है, जिसे अब ऑपरेशन सिंदूर के साथ पूरी तरह से विकसित और संस्थागत बना दिया गया है। इस ऑपरेशन के दो दिन बाद राष्ट्र को संबोधित करते हुए, मोदी ने पहली बार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के प्रति भारत के तीन-सूत्रीय सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'हम आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकार और आतंकवाद के मास्टरमाइंड के बीच अंतर नहीं करेंगे।' ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने एक बार फिर पाकिस्तान का घिनौना चेहरा देखा है, जब पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी मारे गए आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने आए थे। यह राज्य प्रायोजित आतंकवाद का पुख्ता सबूत है। हम भारत और अपने नागरिकों को खतरों से बचाने के लिए अपने निर्णायक कदम जारी रखेंगे।' एक दिन बाद पंजाब के आदमपुर वायुसेना अड्डे से भारतीय सैनिकों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, 'सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक नया मानदंड स्थापित किया है और एक नया मानदंड और मानदंड स्थापित किया है।' अगर भारत पर कोई आतंकवादी हमला होता है, तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकतेज्पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। पाकिस्तान के साथ बातचीत सिर्फ आतंकवाद और पीओके पर होगी।' बिसारिया ने कहा, यह कहना उचित है कि उरी के बाद सुरक्षा स्थिति अब एक सिद्धांत बन गई है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में इंदौर के राजवाड़ा में संपन्न

3 हजार 867 करोड़ रूपये की योजना और निर्माण कार्यों की स्वीकृति

इंदौर/भोपाल (नप्र)। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती वर्ष पर उनके आदर्शों और मूल्यों को समर्पित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक इंदौर में राजवाड़ा के दरबार हॉल में हुई।

मंत्रि-परिषद ने 3 हजार 867 करोड़ रूपये की योजना और निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना की सैद्धांतिक स्वीकृति दी। इसमें युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जायेगे। योजना में जरूरतमंद व्यक्ति बैंक ब्याज में एक हजार रुपए प्रतिवर्ष छूट के साथ पूरे जीवनकाल के लिए अधिकतम 10 हजार रूपये प्रति व्यक्ति ऋण के ब्याज पर छूट प्राप्त कर सकेगा। प्रतिवर्ष योजना पर लगभग 100 करोड़ रूपए का व्यय किया जायेगा।

एक्सीडेंट में घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को मिलेंगे 25000

मध्यप्रदेश में सड़क एक्सीडेंट में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। ये काम राहवीर योजना के तहत किया जाएगा। संबंधित व्यक्ति को रुककर तत्काल एम्बुलेंस को कॉल करना होगा। उसे अस्पताल पहुंचाने में मदद करनी होगी। यह फैसला मंगलवार को इंदौर के राजवाड़ा में हुई डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट बैठक में लिया गया।

बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल आएंगे। दो लाख महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। महिला कामगारों के लिए केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से सभी औद्योगिक क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। पीएम इंदौर मेट्रो, दतिया और सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे।

- **मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम- 2025 की स्वीकृति-** मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम-2025 को स्वीकृत करने का निर्णय लिया हैं।
- **मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता मिशन कार्यक्रम की वित्तीय वर्ष-2028-29 तक निरंतरता की स्वीकृति-** मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता मिशन कार्यक्रम की वित्तीय वर्ष-2028-29 तक निरंतरता की स्वीकृति दी।
- **प्रदेश के 04 औद्योगिक क्षेत्र में 249 करोड़ 66 लाख रूपये की लागत से वर्किंग वीमेन हॉस्टल के निर्माण की स्वीकृति-** मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर को बढ़ाने , बेहतर वातावरण प्रदान करने और महिलाओं के कामकाजी जीवन को आसान बनाने के लिए प्रदेश के 04 औद्योगिक क्षेत्र में 249 करोड़ 66 लाख रूपये की लागत से वर्किंग वीमेन हॉस्टल के निर्माण की स्वीकृति दी है।
- **आचार्य शंकर संग्रहालय अद्वैत लोक के निर्माण के लिए 2195 करोड़ रूपये से अधिक की पुनरीक्षित स्वीकृति-** मंत्रि-परिषद ने ओंकारेश्वर में एकात्म धाम परियोजना अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों हेतु सूचकांक में छूट प्रदाय किये जाने और आचार्य शंकर संग्रहालय अद्वैत लोक के निर्माण के लिए पुनरीक्षित लागत राशि 2195 करोड़ 54 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदाय की है।

फिर पाव पसार रहा कोरोना, सरकार हो गई ऐक्टिव

- महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 2 कोरोना पॉजीटिव की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के अस्पताल में सोमवार को दो कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है। एक मरीज को मुंह का कैंसर था और दूसरे को किडनी से जुड़ी बीमारी नेफ्रोटिक सिंड्रोम थी। इधर, एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28 फीसदी का इजाफा हुआ है।

सुप्रभात

द्वार मेरे मत आना सपनों
नींद खुले दुख होता है।
थककर अभी ज़रा सोया हूँ
दिनभर सूरज को ढोया हूँ।
आँखों में ईमान बचाकर
भूखे पेट बहुत रोया हूँ।
सरीसांझ मत आना सपनों
पलक हिले दुख होता है।
तुम क्या जानो मन की बातें
तुम तो केवल प्यास जगाते।
कुछ बूंदों को नदी बताकर
परदे के पीछे छिप जाते।
फिर ऐसे मत आना सपनों
झलक मिले दुख होता है।
द्वारा मेरे मत आना सपनों
नींद खुले दुख होता है।

- रघुवीर शर्मा

जब तक मजबूत केस नहीं

अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं

- वक्फ कानून पर चीफ जस्टिस बीआर गवई की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने जब तक मजबूत केस नहीं बनता, तब तक अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह अधिनियम सरकार की ओर से वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करने का एक प्रयास है। इसी दौरान सीजेआई गवई ने कहा, यह मामला संवैधानिकता के बारे में है। अदालतें आमतौर पर हस्तक्षेप नहीं करती हैं, इसलिए जब तक आप एक बहुत मजबूत मामला नहीं बनाते, कोर्ट हस्तक्षेप नहीं करती है। सीजेआई ने आगे कहा कि औरंगाबाद में वक्फ संपत्तियों को लेकर बहुत सारे विवाद हैं।

- केंद्र ने अंतरिम आदेश पारित करने का विरोध किया था

बता दें कि पिछले महीने 17 अप्रैल को, केंद्र ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि वह 5 मई तक न तो 'वक्फ बाई यूजर' समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करेगा, न ही केंद्रीय वक्६फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा। केंद्र ने केंद्रीय वक्फ परिषदों और बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने की अनुमति देने वाले प्रावधान पर रोक लगाने के अलावा 'वक्फ बाई यूजर' सहित वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के खिलाफ अंतरिम आदेश पारित करने के शीर्ष अदालत के प्रस्ताव का विरोध किया था। गत 25 अप्रैल को, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम, 2025 का बचाव करते हुए 1,332 पन्नों का प्रारंभिक हलफनामा दायर किया था और 'संसद द्वारा पारित संवैधानिकता की धारणा वाले कानून' पर अदालत द्वारा किसी भी तरह की 'पूर्ण रोक' का विरोध किया था। केन्द्र ने पिछले महीने अधिसूचित किया था।

नाराज चल रहे छगन भुजबल महाराष्ट्र कैबिनेट में बने मंत्री

- बोले-अंत भला तो सब भला, जो जिम्मेदारी मिलेगी निभाऊंगा, धनंजय मुंडे की ली जगह

मुंबई (एजेंसी)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता छगन भुजबल ने मंगलवार सुबह महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली। मंत्री बनने के बाद उन्होंने कहा- कहते हैं न- अंत भला तो सब भला। मैंने अब तक हर जिम्मेदारी अच्छे से निभाई है। अब भी जो जिम्मेदारी मिलेगी, उसे निभाऊंगा। दरअसल, पिछले साल नवंबर में महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की सरकार बनी थी। हालांकि, 77 साल के छगन को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया था, जिससे वह नाराज चल रहे थे। भुजबल ने महाराष्ट्र कैबिनेट में एनसीपी के दिग्गज नेता धनंजय मुंडे की जगह ली है। मुंडे ने मार्च में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। भुजबल को यही खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्रालय मिल सकता है, क्योंकि इसके पहले वह दो बार यह मंत्रालय संभाल चुके हैं। दिसंबर में मंत्री पद नहीं मिलने पर कहा था- क्या मैं खिलौना हूं महाराष्ट्र के नासिक जिले के येवला से विधायक भुजबल का कई दशकों लंबा राजनीतिक करियर रहा है। वह राज्य में ओबीसी समुदाय के एक बड़े नेता हैं।

थरूर से लेकर तिवारी तक, कांग्रेस के साथ हो गया 'खेला'

मोदी सरकार ने राष्ट्रवाद के दांव से बैकफुट पर दिया है धकेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के इरादे से भारत की ओर से विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के शशि थरूर और मनीष तिवारी भी शामिल हैं। जबकि राहुल गांधी चाहते थे कि ये दोनों नेता इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल न हों। लेकिन इन दोनों कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वे 'देश के बुलावे' पर जा रहे हैं। राहुल गांधी ने सरकार को कुछ और नाम भी दिए थे लेकिन सरकार ने राहुल गांधी के दिए नामों को नहीं माना। सरकार ने सिर्फ आनंद शर्मा को ही चुना। मनीष तिवारी ने एक्स पर एक देशभक्ति गीत डाला। यह गीत 1975 की फिल्म 'आक्रमण' का है। इसे किशोर कुमार ने गाया था। मनीष तिवारी ने इस गाने के जरिए अपना संदेश दिया। उन्होंने गाने की लाइनें लिखीं 'देखो वीर जवानों अपने खून पे ये इल्जाम ना आए, मां न कहे के मेरे बेटे वक्त पड़ा तो काम ना आए। इस बीच, कांग्रेस पार्टी सरकार के फैसलों और अपने सांसदों को रोकने में नाकाम रही। इसलिए पार्टी के प्रवक्ता जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अब 'ऑल-पार्टी' प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जबकि उन्होंने दस सालों से विपक्ष को बुरा-भला कहा है। रमेश ने इस कदम को 'क्षणिक, पाखंडी और अवसरवादी' बताया। उनका कहना है कि सरकार दिखावा कर रही है। कांग्रेस पार्टी के नेता इस बात से परेशान हैं कि सरकार ने उनकी बात नहीं मानी। साथ ही, उनके अपने ही एमपी उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। इसलिए वे सरकार पर आरोप लगा रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 21 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

बिहार चुनाव से पहले आरजेडी में बड़ा 'खेला'

● प्रदेश अध्यक्ष के पद से जगदानंद सिंह की विदाई तय

पटना (एजेंसी)। बिहार में इस साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस कड़ी में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब खबर सामने आ रही है कि पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। खासकर, प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष पदों पर नए चेहरों की नियुक्ति की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, 21 जून को राजद अपने नए बिहार प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर सकती है। इसके बाद 5 जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की भी घोषणा की संभावना है। पार्टी प्रवक्ता शक्ति यादव ने बताया कि वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। ऐसे में पार्टी को अब नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने जा रहा है। हाल ही में दिल्ली में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और जगदानंद सिंह के बीच करीब ढाई घंटे लंबी मुलाकात हुई। हालांकि, मुलाकात की आधिकारिक वजह लालू यादव का स्वास्थ्य हालचाल पूछना बताया गया, लेकिन अंदरूनी चर्चा में इसे नेतृत्व परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है।

अब कहीं भी बना लें, पूरा पाकिस्तान हमारी पहुंच में

● पाक फौज मुख्यालय बदलने की खबरों पर बोले सैन्य अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बड़ा हुआ था। भारत ने इसका जवाब देते हुए 7 मई की दरमियानी रात को पाकिस्तानी आतंकियों के ऊपर ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च कर दिया। दोनों देशों के बीच 4 दिन तक चली तनातनी के बाद आखिरकार सीजफायर पर सहमति बन गई। हालांकि इस विवाद में भारतीय एयर डिफेंस ने अपनी ताकत दिखाई और पाकिस्तान के ज्यादातर ड्रोन्स और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना के एयर डिफेंस महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी कुन्हा ने भारत की सैन्य क्षमता की छवि को साफ तौर पर देश के सामने रखा है। इंटरव्यू में ले. जनरल कुन्हा ने पाकिस्तान के सैन्य मुख्यालय को रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा में स्थानांतरित करने की खबरों के बारे में अपनी राय देते हुए बताया कि पाकिस्तान के कुछ सैन्य ठिकाने ही नहीं बल्कि पूरा का पूरा पाकिस्तान हमारी पहुंच में है। उन्होंने कहा,मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान से पूरी तरह से निपटने के लिए हमारे पास हथियार है। पूरा देश हमारी पहुंच में है।

अफगानिस्तान के बाद अब ईरान को साध रहा है भारत

नई दिल्ली/ तेहरान (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 18 मई 2025 को ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली अकबर अहमदियान से टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत में भारत-ईरान रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। इस दौरान चाबहार

पोर्ट प्रोजेक्ट और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर पर जोर दिया गया। भारत ने क्षेत्रीय स्थिरता में ईरान की 'रचनात्मक भूमिका' की सराहना की और चाबहार प्रोजेक्ट पर सहयोग बढ़ाने में भारत की रुचि व्यक्त की। इस प्रोजेक्ट से भारत, पाकिस्तान को बाईपास करते हुए सीधे सेंट्रल एशिया तक पहुंच बना सकता है। ईरानी सचिव अहमदियान ने भी आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया।

अहमदाबाद में बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर फिर ऐक्शन

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र में मंगलवार से बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर फिर से बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। अब तक 1 हजार से ज्यादा मकानों-दुकानों को गिराया जा चुका है और कार्रवाई अब भी जारी है। गुजरात पुलिस ने सोमवार रात से ही इसकी तैयारियां शुरू कर दी थीं। अतिक्रमण हटाने के

लिए 50 बुलडोजर और 50 डंपर और 25 हिताची मशीन लगाई गई हैं। इसके साथ ही 3000 पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। डिमॉलिशन कार्रवाई सुबह साढ़े 6 बजे से शुरू हुई। अब तक करीब 2000 मकानों-दुकानों को गिराया जा चुका है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, और एसटीएफ की टीमें भी इलाके में तैनात की गई हैं। इससे पहले बीती 29 अप्रैल को यहां मेगा डिमॉलिशन का पहला चरण शुरू हुआ था, जो पांच दिन तक चला था।

8 की मौत, 500 घरों में घुसा पानी, सड़कें जलमग्न

बेंगलुरु में बारिश से बिगड़े हालात

पानी-पानी हुआ शहर

बेंगलुरु (एजेंसी)। मौसम विभाग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में आंधी-बारिश के साथ तूफान का अलर्ट जारी किया है। झारखंड में बिजली गिरने से 5 और महाराष्ट्र में 2 मौतें हुई हैं। झारखंड, बिहार समेत 13 राज्यों में आज भारी बारिश की चेतावनी है। इधर बेंगलुरु में सोमवार तेज बारिश जारी है। शहर की ज्यादातर सड़कें पानी में डूबी हैं। 500 से ज्यादा घरों में पानी भर गया। लेआउट में पानी भरे अपार्टमेंट में करंट लगने से 12 साल के बच्चे और 63 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। व्हाइटफील्ड में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत हो गई। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में आज भी तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है, 8 की मौत हो गई है। राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में हीटवेव मौसम विभाग ने राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। मैदानी इलाकों में मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उत्तर प्रदेश का बांदा 46.6 डिग्री के साथ देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा। मौसम विभाग ने मंगलवार को केरल के वायनाड और उत्तरी जिलों कासरगोड, कन्नूर, वायनाड और कोझिकोड के लिए रेड अलर्ट जारी किया, जबकि पलक्कड़, मलप्पुरम और त्रिशूर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। क्योंकि इस रीजन के कई इलाकों में भारी बारिश जारी है। मौसम विभाग ने इडुक्की, एर्नाकुलम, कोट्टायम, अलप्पुझा और पथानामथिट्टा के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। जैसे-जैसे बारिश जारी रहेगी, खासकर पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की संभावना बढ़ सकती है। वहीं, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन और नमी के कारण सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि मौसम में इस बदलाव के चलते राज्य के कई इलाकों में बाढ़ और लैंड स्लाइड का खतरा है। मौसम विभाग ने 19 मई को बताया कि अगले 2-3 दिनों में मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में एक या दो स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। राजस्थान में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। चूरू, बीकानेर और टोंक का तापमान 45 डिग्री से ज्यादा पहुंच गया है।

45 डिग्री तापमान में पाकिस्तान बॉर्डर पर पहुंचे आर्मी चीफ

लोंगेवाला पोस्ट का किया दौरा, ऑपरेशन सिंदूर में बहादुरी पर जवानों से कहा-शाबाश

जैसलमेर (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पहुंचे। उन्होंने 45 डिग्री टेम्प्रेचर में लोंगेवाला पोस्ट का दौरा किया। आर्मी चीफ ने जवानों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उन्हें शाबाशी दी। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रेगिस्तानी क्षेत्र में सेना की कोणार्क कोर के इंडियन एयरफोर्स और सीमा सुरक्षा बल के साथ कोऑर्डिनेशन में किए गए जॉइंट एक्शन की समीक्षा भी की।

उधर, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी पाकिस्तान बॉर्डर पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन का दौरा किया। सीडीएस ने जवानों से बात की और उनके ऊंचे मनोबल की सराहना की। गौरतलब है कि 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बीकानेर आने वाले हैं।

वे नाल एयरफोर्स स्टेशन पर जवानों से बातचीत कर सकते हैं। भारतीय थल सेना के अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को दिल्ली से विशेष विमान से जैसलमेर एयरपोर्ट पहुंचे।

भीषण गर्मी में ड्यूटी कर रहे जवानों की हौसला अफजाई की

जनरल द्विवेदी ने सेना के कमांडरों और यूनिट के प्रोफेशनलिज्म, ऊंचे मनोबल और ऑपरेशन प्लान की भी सराहना की। उन्होंने सेना की सम्मान की परंपरा और निर्णायक ताकत के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने की बात पर जोर दिया। आर्मी चीफ ने गर्मियों की चरम स्थितियों के बीच कठोर रेगिस्तानी इलाकों में तैनात महिला-पुरुष जवानों के धैर्य की सराहना करते हुए राष्ट्रीय उद्देश्यों की रक्षा में उनकी अथक सेवा के लिए प्रशंसा व्यक्त की। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों का मनोबल बढ़ाने के लिए सूरतगढ़ सैन्य स्टेशन का दौरा किया। यह दौरा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों द्वारा दिखाए गए अनुकरणीय साहस के प्रति गर्व की भावना से परिपूर्ण था। जवानों ने सीडीएस और अन्य अधिकारियों को ऑपरेशन में तैनात नए और मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम की जानकारी दी।

बंगाल में शिक्षकों का प्रदर्शन, ममता बोलीं-बाहरी लोग शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके करीब टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ का पिछले 6 दिनों से प्रदर्शन जारी है। सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि आंदोलन करने वालों में शिक्षक कम, बाहरी लोगों की संख्या ज्यादा

है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं किसी भी प्रदर्शन के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन एक लक्ष्मण रेखा होती है। जैसे मैं किसी को नहीं रोक सकती, वैसे ही मुझे भी कोई नहीं रोक सकता। आंदोलन करने के बजाय उन्हें कोर्ट में अपना केस लड़ना चाहिए। हम पूरी मदद करेंगे। ममता ने कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं।

प्रसिद्ध खगोल वैज्ञानिक जयंत नारलीकर का 87 वर्ष की उम्र में निधन

पुणे (एजेंसी)। प्रख्यात खगोल वैज्ञानिक, विज्ञान संचारक और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. जयंत विष्णु नारलीकर का मंगलवार को पुणे में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। उनके परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस ने उनके निधन पर दुख जाहिर किया और ऐलान किया कि उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान से किया जाएगा। भारतीय विज्ञान जगत की जानी-मानी हस्ती डॉ. नारलीकर को व्यापक रूप से ब्रह्मांड विज्ञान में उनके अग्रणी योगदान, विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों और देश में प्रमुख अनुसंधान संस्थानों की स्थापना के लिए जाना जाता था। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, डॉ. नारलीकर ने देर रात नींद में ही आखिरी सांस ली और मंगलवार सुबह अपनी आंख नहीं खोलीं. हाल में पुणे के एक अस्पताल में उनके कूल्हे की सर्जरी हुई थी।

परमाणु साइंटिस्ट एम आर श्रीनिवासन का निधन

होमी भाभा के साथ न्यूक्लियर रिएक्टर अप्सरा बनाया, तीनों पद्म सम्मान मिले

नईदिल्ली। भारत के न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम पर काम करने वाले साइंटिस्ट रूक्रश्रीनिवासन का 20 मई को तमिलनाडु के ऊटी में निधन हो गया। वो 95 साल के थे। उनकी बेटी शारदा श्रीनिवासन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को वो अचानक बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल लेकर जाया गया। मंगलवार सुबह 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

पीएम ने कहा था नहीं कर पाएंगे, लेकिन करके दिखाए

कर्नाटक में राहुल गांधी बोले-सरकार ने सभी वादे पूरे किए

कहा-1 लाख लोगों को घरों का मिल गाया मालिकाना हक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को कर्नाटक के विजयनगर में समर्पण संकल्प रैली में पहुंचे। कार्यक्रम में उन्होंने 1 लाख 11 हजार 111 लोगों को घर के मालिकाना हक के डिजिटल डॉक्यूमेंट सौंपे। राहुल ने कहा- हमने चुनाव के समय कर्नाटक की जनता से 5 वादे किए थे।

तब नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लोगों ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी ये काम नहीं कर पाएगी लेकिन हमने करके दिखाए। उन्होंने आगे कहा- कर्नाटक सरकार आज 1 लाख परिवारों को उनकी जमीन का मालिकाना हक देने जा रही है। जो इंदिरा गांधी का सपना था, उसको पूरा करने के लिए हमने बड़ा कदम लिया है। 2 हजार बस्तियों को हम राजस्व गांव कर रहे हैं। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार के 2 साल पूरे होने पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें घुमंतू, अर्ध-घुमंतू और ग्रामीण खेतिहर समुदायों को जमीन के सरकारी डॉक्यूमेंट्स दिए गए। इनकी बस्तियां सार्वजनिक या निजी जमीन पर थी। अब इनको रेवेन्यू विलेज यानी राजस्व गांव का दर्जा मिलेगा। इससे इन लोगों को कानूनी तौर पर अपने घर का मालिकाना हक मिलेगा। 2015 में कर्नाटक दौरे के दौरान राहुल गांधी ये वादा किया था।

भाजपा रोजगार खत्म करती है, हम पैदा करते हैं

राहुल ने कहा कि भाजपा के मॉडल में रोजगार खत्म होता है। हमारे मॉडल में रोजगार पैदा होता है। उनके मॉडल में आप बीमार होते हैं तो आपको कर्ज में डूबना पड़ता है। हमारे मॉडल में आप बीमार होते हैं तो आपके जेब में इलाज के लिए पैसा होता है। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे पता लगा था कि कर्नाटक में ऐसे बहुत सारे लोग है जिनके पास जमीन है लेकिन मालिकाना हक नहीं है।

● कांग्रेस ने आपका पैसा आपको वापस दिया

राहुल ने कहा कि हमने आपसे कहा था हम कर्नाटक के गरीब लोगों के बैंक अकाउंट में पैसा डालेंगे। आज हजारों-करोड़ रुपए सीधे आपके बैंक अकाउंट में जाता है। ये पैसा आप अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य में खर्च कर रहे हैं। यही हम चाहते थे जो आपका धन है आपकी जेब में वापस जाए। राहुल ने कहा कि हम चाहते हैं कि कर्नाटक की गरीब जनता की जेब में सीधा पैसा जाए। जब हम पैसा आपके जेब में डालते हैं तो ये पैसा मार्केट में जाता है। इससे प्रोडक्शन बढ़ती है और गांव-गांव में पैसा पहुंचता है। इस पैसा को आप अपने गांव और शहरों में खर्च करते हो। इससे कर्नाटक की अर्थव्यवस्था को फायदा मिलता है। बीजेपी चाहती है कि कुछ लोगों को देश का पूरा धन मिले। बीजेपी के मॉडल में 2-3 अरबपतियों को पैसा पहुंचा दिया जाता है। ये अरबपति अपना पैसा गांव-कस्बों में खर्च नहीं करते हैं।

लालबाग के ऐतिहासिक स्थल के सौंदर्यीकरण व पर्यटन संवर्धन हेतु 24 महीने में होगा पुनर्निर्माण : मुख्यमंत्री

● 47.59 करोड़ की लागत से लालबाग पैलेस का संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में होगा विकास ● मुख्यमंत्री ने किया लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास के लिए भूमि-पूजन ● मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक लालबाग पैलेस का भ्रमण कर किया अवलोकन ● मंत्रि-परिषद सदस्यों की उपस्थिति में हुई लालबाग के ऐतिहासिक परिवर्तन की शुरुआत

इंदौर/भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर के ऐतिहासिक स्थल लालबाग पैलेस पहुंचकर होल्कर राजवंश के संस्थापक सूबेदार मल्हारराव होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने 47.59 करोड़ रूपये लागत से लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने लालबाग पैलेस का भ्रमण भी किया, जहां उन्होंने महल की ऐतिहासिक संरचना और सौंदर्य का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के प्रयास कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए बैठक कक्ष, क्राउन हॉल, बैंकेट हॉल, दरबार हॉल, किंग्स ऑफिस, मंत्रणा कक्ष, पश्चिमी बैठक कक्ष, भारतीय भोजन कक्ष पुरुष एवं महिला, बॉल रूम आदि की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। आर्किटेक्ट श्री पुनीत सोहल द्वारा लालबाग पैलेस परियोजना का प्रजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उन्होंने लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास के लिए किए गए कार्य एवं आगामी कार्य योजना से अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महत्वाकांक्षी कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना व्यक्त की। यह कार्य लालबाग के समृद्ध इतिहास और उसकी पुनः प्रतिष्ठा के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। उद्यान और होल्कर्स की विरासत को जीवंत रखने, उद्यान को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधि स्थल के रूप में विकसित करने एवं ऐतिहासिक अवधारणा पर आधारित रचना अनुसार पुनःविकसित करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जाएगा। इसके लिए 47.59 करोड़ की स्वीकृति सिंहस्थ मद अंतर्गत प्राप्त हुई है। यह कार्य मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा। कार्य की समय सीमा 24 माहअर्थात मई 2027 निर्धारित है। इसमें बाउंड्री वाल, पाथवे, पार्किंग, सॉफ्ट स्केपिंग एवं सिंचाई, जनसुविधा, टिकिट काउंटर, उद्यान कैफे, मुक्ताकाश मंच, मंडप, रानी अहिल्या बाई आत्मरक्षा केंद्र (बालिकाओं के लिए), वनस्पति रक्षा ग्रह, बाहरी विद्युतीकरण, सजावटी प्रकाश खंभे, बगीचे के लिए पाइप संगीत प्रणाली, सीसीटीवी आदि का कार्य किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर मंत्रि-परिषद के सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जिन्होंने परियोजना की महत्वता और विकास के प्रति सरकार के संकल्प का समर्थन किया।

इंदौर-राजवाड़ा को कैबिनेट बैठक के लिए दुल्हन की तरह सजाया गया था

● महाराज के दरबार की तर्ज पर सभी मंत्रीगण ने पहनी मालवी पगड़ी

● राजसी अंदाज में परोसे गए दाल-बाटी, दही-बड़ा, मावाबाटी

इंदौर (नप्र)। देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर मंगलवार को इंदौर में इतिहास लिखा गया। शहर के जिस हृदय स्थल राजवाड़ा से देवी अहिल्या ने जनविकास व सुशासन की नींव रखी थी, उसी आंगन में पहली बार 'मोहन सरकार का दरबार' लगा।

कैबिनेट बैठक के बाद लिए गए फैसलों के बारे में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जानकारी दी। इससे पहले कैबिनेट की बैठक में भाग लेने के लिए मंत्री पहुंचे, तो खास अंदाज में स्वागत हुआ। हालांकि कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान के बाद जांच का सामना कर रहे मंत्री विजय शाह नहीं पहुंचे। मुख्यमंत्री मोहन यादव, कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य कैबिनेट मंत्री और अधिकारी लाल बाग पैलेस से राजवाड़ा इलेक्ट्रिक एसी बस में बैठकर आए।

राजवाड़ा के आंगन में रंग-बिरंगी पताकाएं और फूलों के वंदनवार सजाए गए और इस मौके को खास बनाने के लिए कारपेट व कालीन भी बिछाया गया है तो होलकर महाराज के दरबार की तर्ज पर मुख्यमंत्री व मंत्रिमंडल के सदस्यों ने मालवी पगड़ी पहन कुर्सियों पर नहीं, गादी व तख्त पर बैठकर प्रदेश के विकास व जनहित मुद्दों पर निर्णय लिए।

सीएम ने स्व. मल्हारराव होल्कर की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मराठा साम्राज्य के शौर्य के प्रतीक एवं होल्कर वंश के संस्थापक स्व. मल्हारराव होल्कर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि महान योद्धा स्व. होल्कर ने अपने कार्यकाल में कर्तव्यपरायणता, न्याय, सुशासन और जनसेवा के अनेक आदर्श स्थापित किए, जिसका यशगान न केवल मालवा क्षेत्र, बल्कि समूचे राष्ट्र में गुंजायमान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. होल्कर का संपूर्ण जीवन और शासनकाल सदैव भावी पीढ़ियों को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

बोर्ड एग्जाम

हाईस्कूल-हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा कार्यक्रम घोषित

फेल हुए विद्यार्थियों को एक और मौका, 21 मई तक भर सकेंगे फॉर्म

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थियों को सफल होने का एक मौका और दिया जा रहा है। मंडल ने दोनों कक्षाओं की दूसरी परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। मुख्य परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थी 17 जून से 5 जुलाई 2025 तक दूसरी परीक्षा दे सकेंगे। इसके लिए 21 मई तक परीक्षा फार्म भरे जा सकते हैं। मुख्य परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थियों का साल खराब न हो, इस उद्देश्य से मंडल ने इसी साल से दूसरी परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। यह परीक्षा प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक डिजिटाइज्ड परीक्षा केंद्रों पर कराई जाएगी। इसमें वे विद्यार्थी भी शामिल हो सकेंगे, मुख्य परीक्षा में जिनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है।

परीक्षा कार्यक्रम इस प्रकार है

- हाई स्कूल (कक्षा 10वीं) की द्वितीय परीक्षा - 17 जून से 26 जून 2025 तक आयोजित की जाएगी।
- हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) की द्वितीय परीक्षा - 17 जून से 5 जुलाई 2025 तक आयोजित होगी।

भिंड में डंपर ने दो युवकों को कुचला, मौत

● गोहद बस स्टैंड पर हादसा; पुलिस पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने लगाया जाम

भिंड (नप्र)। भिंड के गोहद थाना क्षेत्र में सोमवार रात डंपर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही से डंपर चालक वाहन समेत फरार हो गया। आक्रोशित परिजनों ने रात में तीन घंटे और सुबह फिर चौराहे पर जाम लगाकर विरोध किया।

टेंट डेकोरेटर्स थे दोनों - जानकारी के अनुसार युवक मृतक प्रिंस जाटव (21) और राहुल पाल (22) टेंट डेकोरेशन का काम करते थे। सोमवार रात करीब 11:30 बजे दोनों गोहद बस स्टैंड से अटल गेट की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से काली गिट्टी से भरे डंपर ने उन्हें कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों और पुलिस के बीच बहस - घटना के बाद पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराने और एफआईआर दर्ज करने को कहा, लेकिन परिजन पहले डंपर और चालक की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। थाना प्रभारी मनीष धाकड़ और परिजनों के बीच इस मुद्दे पर तीखी बहस भी हुई। इसके बाद मंगलवार सुबह परिजनों ने गोहद चौराहे पर जाम लगाकर विरोध किया। पुलिस और प्रशासनिक अफसरों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

पुलिस पर लापरवाही का आरोप - आक्रोशित लोगों का आरोप है कि पुलिस एक घंटे में दुर्घटना करने वाले वाहन को पकड़ सकती है। उनका कहना है कि पुलिस हर डंपर से अवैध वसूली करती है और सभी वाहनों को पहचानती है, लेकिन इस मामले में आरोपी को बचा रही है। वहीं टीआई मनीष धाकड़ ने बताया परिजनों से पहले एफआईआर दर्ज कराने और शवों का पोस्टमॉर्टम कराने को कहा गया था।

बकाया बिजली बिल नहीं भरा, शस्त्र लायसेंस निलंबन की कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों में बिजली बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ जिला मजिस्ट्रेट द्वारा शस्त्र लायसेंस निलंबन की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला मजिस्ट्रेट गुना श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा शस्त्र लाइसेंस निलंबन का नोटिस देने के बाद भी बिजली का बकाया बिल जमा नहीं करने वाले श्री सुरेंद्र कपूर निवासी कालापाठा कैंट जिला गुना का शस्त्र लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर शस्त्र संबंधित थाने में जमा करने के आदेश दिए गए हैं। श्री सुरेंद्र कपूर के ऊपर बिजली कंपनी की लगभग 8 लाख से अधिक बिल बकाया है जिसे नोटिस देने के बाद भी जमा नहीं कराया गया है।

उल्लेखनीय है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के जिलों में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आर्म्स डीलर लाईसेंस एवं शस्त्र लाईसेंस की स्वीकृति एवं नवीनीकरण के लिए बिजली कंपनी से नोड्यूज प्राप्त किया जाना अनिवार्य किया गया है। कंपनी द्वारा गृह विभाग, म.प्र.शासन के आदेश के अनुसार कंपनी कार्यक्षेत्र के ऐसे शस्त्रधारी बिजली उपभोक्ता जिनके द्वारा बकाया विद्युत बिलों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है, साथ ही ऐसे शस्त्रधारी बिजली उपभोक्ता जो अनधिकृत बिजली का उपयोग अथवा बिजली चोरी करते पाए जाएंगे उनके आर्म्स डीलर लाईसेंस और शस्त्र लाईसेंस को जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से निलंबित कराने की कार्यवाही की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जो भी शस्त्र लाईसेंसधारी उपभोक्ता अपनी बकाया बिल राशि जमा नहीं करते हैं तो उनके शस्त्र लाईसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित करवाने की कार्यवाही की जाएगी।

मंत्री विजय शाह केस में एसआईटी का गठन

सागर आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी कल्याण चक्रवर्ती और डिंडौरी एसपी वाहिनी सिंह करेंगी जांच

भोपाल (नप्र)। भारतीय सेना की अफसर कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने वाले मंत्री कुंवर विजय शाह के मामले में जांच के लिए एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) का गठन कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार इसके आदेश दिए थे। जिसके बाद डीजीपी कैलाश मकवाना ने सोमवार रात को जांच के लिए एसआईटी का गठन कर इसका आदेश जारी कर दिया। तीन सदस्यीय एसआईटी में 1. प्रमोद वर्मा, आईजी सागर जोन, 2. कल्याण चक्रवर्ती, डीआईजी, 3. एसएएफ, वाहिनी सिंह, एसपी, डिंडौरी शामिल हैं। ये तीनों आईपीएस अधिकारी विजय शाह मामले की जांच करेंगे।

मंत्री शाह ने एफआईआर को सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती - बता दें कि मंत्री विजय शाह ने 12 मई को महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर मंत्री के खिलाफ 14 मई को महू के मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके खिलाफ विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान विजय शाह के वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट ने माफी मांग ली है। इस पर कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि आप लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आप पब्लिक फिगर हैं। आपको बोलते समय अपने शब्दों पर विचार करना चाहिए।

आईजी रैंक के अफसर को एसआईटी चीफ बनाने का दिया था आदेश - सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाने के आदेश दिए थे। जिसमें कहा था कि इसमें तीन आईपीएस अधिकारी शामिल होंगे। एक आईजी और बाकी दो एसपी लेवल के अफसर होंगे। इनमें एक अधिकारी महिला होना अनिवार्य होगा। सभी अफसर मध्य प्रदेश कैडर के हो सकते हैं, लेकिन राज्य के मूल निवासी नहीं होने चाहिए। एसआईटी 28 मई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी।

ब्यावरा की अंजली ने आईएफएस में पाई 9वीं रैंक

बिना कोचिंग के किसान की बेटी ने रचा इतिहास; जिले और प्रदेश का नाम किया रोशन

ब्यावरा(नप्र)। राजगढ़ जिले में ब्यावरा के चंदरपुरा गांव की अंजली सौंधिया ने संघ लोक सेवा आयोग की इंडियन फॉरेस्ट सर्विस परीक्षा के पहले ही प्रयास में उन्होंने देशभर में 9वीं रैंक प्राप्त की है। अंजली के पिता सुरेश सौंधिया किसान थे। कुछ वर्ष पहले लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। पिता की मृत्यु के बाद भी अंजली ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने कठिन परिस्थितियों को अपनी ताकत में बदल दिया। अंजली ने ब्यावरा के आरके एकेडमी विद्यालय से 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद इंदौर के जैन दिवाकर कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने किसी कोचिंग संस्थान में जाए बिना, घर पर रहकर ऑनलाइन माध्यम से परीक्षा की तैयारी की। अंजली ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार को दिया है।

मां ने बेटी का किया सहयोग - अंजली की मां ने बताया कि उन्होंने बेटी की पढ़ाई में पूरा सहयोग किया। परिवार ने इस उपलब्धि का जश्न

ढोल और आतिशबाजी के साथ मनाया। विश्वास है कि अंजली देश की सेवा करते हुए अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगी। अंजलि ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने इस अत्यंत कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

स्कूल संचालिका ने दी बधाई - स्कूल संचालिका भावना दुबे ने कहा कि पूर्व छात्रा अंजलि सोंधिया ने संघ लोक सेवा आयोग (पीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा में अपने पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया रैंक 9 प्राप्त कर भारतीय वन सेवा में चयनित होकर न केवल अपने विद्यालय का, बल्कि जिले और पूरे मध्य प्रदेश का नाम ऊंचा कर दिया है।

छोटे गांव की अंजलि ने पूरा किया बड़ा सपना - अंजलि की सफलता यह प्रमाणित करती है कि एक छोटे गांव से भी बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। यदि संकल्प, मेहनत और सही मार्गदर्शन हो। वह हमारे सभी छात्रों के लिए प्रेरणा हैं। अंजली की सफलता पर स्कूल में छात्रों और शिक्षकों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया।

मध्यप्रदेश में पारेषण हानि अब तक के न्यूनतम स्तर पर : ऊर्जा मंत्री तोमर

विद्युत नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य 2.77 प्रतिशत के मुकाबले हासिल किया 2.60 प्रतिशत पारेषण हानि

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश ने विद्युत पारेषण क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पारेषण हानि (ट्रांसमिशन लॉस) को ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर तक लाने में सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि विद्युत कर्मियों की तकनीकी दक्षता, सतत निगरानी, उन्नत प्रबंधन प्रणाली और अत्याधुनिक तकनीकी उपायों के समन्वय से संभव हो सकी है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित 2.77 प्रतिशत लक्ष्य की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में पारेषण हानि को घटाकर 2.60 प्रतिशत तक लाया गया है। यह राज्य की विद्युत कंपनियों की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पिछले दो वर्षों की तुलना में भी उल्लेखनीय सुधार है। वर्ष 2022-23 और 2023-24 में पारेषण हानि 2.61 प्रतिशत थी, जबकि वर्ष 2024-25 में इसमें 0.01 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज की गई है।

पारेषण हानि में कमी के लाभ - किसी भी ट्रांसमिशन प्रणाली में पारेषण हानि के न्यूनतम स्तर पर होने से न केवल पर्यावरणीय प्रभाव कम होता है, बल्कि विद्युत उत्पादन की लागत भी घटती है। इसके अतिरिक्त, यह वोल्टेज स्तर समेत अन्य तकनीकी मानकों को स्थिर रखने में भी सहायता करता है। इससे समग्र बिजली प्रणाली अधिक विश्वसनीय बनती है।

विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता होगी बेहतर - एम.पी. ट्रांसको द्वारा किए गए नवाचारों, स्कॉडा प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकी विधियों, विद्युत ग्रिडों की निरंतर निगरानी और समय-समय पर किए गए रख-रखाव के चलते यह सफलता संभव हो सकी है। कंपनी विद्युत नेटवर्क के आधुनिकीकरण और क्षमतावर्धन की दिशा में लगातार प्रयासरत है। यह सफलता न केवल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर व निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने परमवीर चक्र विजेता मेजर शेखावत की जयंती पर किया पुण्य स्मरण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत-पाकिस्तान युद्ध (1948) में अदम्य साहस का प्रदर्शन करने वाले परमवीर चक्र विजेता मेजर पीरु सिंह शेखावत की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह शेखावत माँ भारती के सच्चे सपूत थे। उन्होंने राष्ट्र की सेवा में अंतिम सांस तक दुश्मनों से लोहा लिया। युद्ध के मैदान में मेजर पीरु सिंह शेखावत ने प्रतिबद्धता दिखाते हुए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनका यह बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

शहडोल में पुलिस ने 3 करोड़ का गांजा पकड़ा

100 बोरी में भरकर जंगल में छिपाया था, 2 आरोपी भाग गए

शहडोल (नप्र)। शहडोल के जयसिंहनगर में पुलिस ने जंगल से गांजा जब्त किया है। सोमवार तड़के मुखबिर से सूचना मिली कि गिरुई खुर्द गांव से दो किलोमीटर दूर जंगल में गांजा छिपाया गया है। पुलिस ने सुबह 4 बजे जंगल में 100 से अधिक प्लास्टिक की बोरियों में 38 क्विंटल 26 किलो गांजा बरामद हुआ। इसकी कीमत तीन करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है।

पुलिस को देख आरोपी भाग गए

घटनास्थल शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग से 10 किलोमीटर दूर स्थित है। कार्रवाई के दौरान एक सफेद ब्रेजा कार वहां पहुंची। पुलिस को देखते ही कार में सवार दो लोग तेज रफ्तार में भाग निकले।

पुलिस ने पीछा किया और आसपास के थानों को सूचित किया। सड़क पर पुलिसकर्मियों ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी फरार हो गए।

पुलिस को संदेह है कि कार में सवार लोगों ने ही गांजे को जंगल में छिपाया था। वे संभवतः इसकी जांच के लिए आए थे, लेकिन पुलिस को देखकर भाग गए।

महिला ने 7 महीने में 25 शादी की

कैश-जेवर लेकर भाग जाती थी

राजस्थान पुलिस ने कॉन्स्टेबल को कुंआरा बताकर भेजा, भोपाल से गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कालापीपल इलाके से पुलिस ने फर्जी शादियों के जरिए लोगों से लाखों रुपए की ठगी करने वाली एक महिला को भोपाल से गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले की मानटाउन थाना पुलिस ने की है।

आरोपी अनुराधा पासवान अब तक करीब 25 व्यक्तियों से नकली शादी कर उन्हें ठग चुकी है। 23 साल की अनुराधा पासवान मूल रूप से यूपी के महाराजगंज जिले के कोल्हुई बाजार की रहने वाली है। वर्तमान में वो भोपाल में रह रही है।

शादी के 3 दिन बाद कैश-जेवर लेकर फरार हो गई - 3 मई 2025 को मानटाउन निवासी विष्णु शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसे खंडवा निवासी सुनीता और पप्पू मीना ने मनपसंद लड़की से शादी करवाने का झांसा देकर भोपाल निवासी अनुराधा का फोटो दिखाया। इसके बाद सवाई माधोपुर कोर्ट में फर्जी एग्रीमेंट के जरिए 2 लाख रुपए लेकर शादी करा दी। शादी के महज तीन दिन बाद ही अनुराधा घर से कैश, जेवर और मोबाइल लेकर फरार हो गई।

आरोपी फर्जी शादी कर कालापीपल में रह रही थी - मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान पुलिस ने एक विशेष टीम गठित की। टीम ने भोपाल में स्थानीय

मुखबिरों की मदद से फर्जी शादी गिरोह से संपर्क किया। टीम के एक सिपाही को अविवाहित बताकर फर्जी शादी कराने की योजना बनाई गई। इसी दौरान एजेंट द्वारा दिखाई गई तस्वीरों में फरार अनुराधा की पहचान हुई। टीम ने भोपाल के कालापीपल स्थित पन्नाखेड़ी गांव में दबिश देकर अनुराधा को गिरफ्तार कर लिया। अनुराधा हाल ही में एक और फर्जी शादी कर वहीं रह रही थी।

2 से 5 लाख रुपए तक वसूल कर शादी करवाते थे -पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह भोपाल से ऑपरेट होता था। इसमें रोशनी, सुनीता, रघुवीर, गोलू, मजबूत सिंह यादव, अर्जन नाम के सदस्य शामिल हैं। ये लोग भोपाल के अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय हैं। मोबाइल पर शादी के इच्छुक लोगों से संपर्क कर महिलाओं के फर्जी फोटो दिखाते थे और 2 से 5 लाख रुपए तक वसूल कर शादी करवा देते थे। शादी के 3-4 दिन बाद ही दुल्हन बनी युवती घर का सारा माल समेटकर से भाग जाती है। फिलहाल पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। ठगे गए अन्य पीड़ितों से भी संपर्क किया जा रहा है। पुलिस चोरी किए गए जेवर और नगदी की बरामदगी की कोशिश भी कर रही है।

संपादकीय

फिर आकाश पर आनंद

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी में चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर का पद देकर बहाली कर दी है। इसके साथ ही उन्हें राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पहले मायावती ने दो बार आकाश को जिम्मेदारी देकर वापस ले ली थी। इस बार भी आकाश कब तक इस पद पर रह पाएंगे, कहना मुश्किल है, क्योंकि कब बहनजी का मन बदल जाए, कोई नहीं कह सकता। हालांकि बसपा सूत्रों का कहना है कि आकाश को आगे लाना अब बहनजी की मजबूरी हो गई है, क्योंकि पार्टी में बरसों से नंबर दो कोई नहीं है। देश और खासकर यूपी में बसपा का वोट बैंक घटता जा रहा है, ऐसे में यदि अब भी पार्टी को बचाने के ठोस उपाय नहीं किए गए तो बसपा इतिहास का हिस्सा बन जाएगी। हालांकि यह प्रश्न अभी भी अनुत्तरित है कि आकाश की यह वापसी क्या मायावती के राजनीतिक उत्तराधिकारी की घोषणा है? ढाई महीने पहले ही मायावती ने आकाश आनंद को बड़े बेआबरू करके पार्टी से निकाला था। तब भी आकाश ने बुआ मायावती से कोई बगावत नहीं की थी। उन्होंने चुपचाप अपना काम जारी रखा। आकाश आनंद युवा हैं, विदेश में पढ़े लिखे हैं। अच्छे वक्ता भी हैं। पिछली बार जब उन्हें मौका मिला था तो उन्होंने भाजपा पर तीखे हमले शुरू कर दिए थे, जो मायावती को रास नहीं आया था। तब भी आकाश को उतनी बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी थी, जैसी कि अब दी है। बीते ढाई माह आकाश के लिए ज्यादा मुश्किल भरे रहे। मायावती ने आकाश को बीती 2 मार्च को पार्टी से निकाला था। तब उन्होंने यह घोषणा तक कर दी थी? कि बसपा में अब उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं रहेगा। आकाश के बारे में शिकायत थी कि उनका ससुराल पक्ष राजनीति में अनावश्यक दखलंदाजी करता है। इसके बाद 13 मार्च को आकाश ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली थी। लेकिन 29 अप्रैल को पार्टी पदाधिकारियों के बीच मायावती ने आकाश की तारीफ करते हुए उसका हौसला बढ़ाने को कहा। इसी के साथ आकाश की वापसी का रास्ता साफ हो गया। लेकिन इस बार आकाश की वापसी कुछ शर्तों के साथ हुई है, जिसमें जिसमें पारिवारिक हस्तक्षेप से दूर रहना शामिल है। आकाश से अपेक्षा की गई है कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करेंगे और अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव से पूरी तरह दूर रहेंगे। अब आकाश आगे किस तरह काम करते हैं और कैसे उन्हें काम करने दिया जाता है, यह देखने की बात है। दरअसल बसपा के सामने असली चुनौती तो एक और दलित पार्टी भीम आर्मी से है, जिसके नेता चंद्रशेखर रावण बहुत आक्रामक राजनीति कर रहे हैं और पिछले लोकसभा चुनाव में नगीना सीट से चुनाव भी जीते हैं। चंद्रशेखर की आक्रामक राजनीति की ओर दलित युवा तेजी से आकर्षित हो रहे है। उसे रोकना बड़ी चुनौती है। जहां तक यूपी की बात है तो बसपा के लिए बड़ी चुनौती समाजवादी पार्टी है। क्योंकि दोनों ही पार्टियां जातिवादी राजनीति करती हैं। दोनो ने चुनावों में हाथ मिलाकर भी देख लिया, लेकिन बसपा को नुकसान ही ज्यादा हुआ। दूसरी तरफ भाजपा को लेकर बहनजी का रूख नरमाई का ही रहा है। जबकि आकाश का मानना है कि भाजपा पर हमले किए बगैर बसपा अपना वोट बैंक नहीं बचा सकती। अभी इस बात की परीक्षा भी होनी है कि दलितों में आकाश अपना कितना प्रभाव जमा पाते हैं। इसके लिए उन्हें मायावती की छाया से बाहर निकलकर राजनीति करनी होगी, लेकिन खुद मायावती आकाश को ऐसा करने की कितनी इजाजत देंगीं, यह देखने की बात है।

बलूचिस्तान के बाद अब सिंध प्रांत मांगे आजादी

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक मुंबई निवासी स्तंभकार हैं।

बलूचिस्तान के बाद अब पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी आजादी की मांग जोर पकड़ने लगी है। सिंध को अलग देश बनाने की मांग करने वाली एक राजनीतिक समूह जय सिंध फ्रीडम मूवमेंड (JSFM) ने शुक्रवार को पाकिस्तान में एक राजमार्ग पर शांतिपूर्ण धरना दिया। इस दौरान लापता और जेल में बंद सिंधी राष्ट्रवादियों की रिहाई की मांग की गई। सिंधु देश की वकालत करने वाले समूह ने सिंध और बलूचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों, अवैध हिरासत और मानवाधिकारों के हनन पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने की मांग की।

जेएसएफएम के अध्यक्ष सोहेल अब्रो, जुबैर और अमर आजादी समेत नेताओं ने जाहिद चन्ना, सज्जाद चन्ना, अदनान बलूच और शाहिद सूमरो को तत्काल रिहा करने को कहा। यह भी मांग की गई कि उनके खिलाफ झूठे आरोप वापस लिए जाएं और सभी जबरन गिरफ्तार किए गए लोगों को रिहा किया जाए। सामूहिक बयान में कहा गया, यह धरना हमारे राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं की गैरकानूनी गिरफ्तारियों, जेलों में हो रहे दुर्व्यवहार और जबरन गायब किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन है। हाल के प्रदर्शन में सिन्धु राष्ट्र के लिए तैयार किए गये राष्ट्रगान को भी गाया गया व सिंध देश के अलग झंडे को भी फहराया गया। 'सिंधु देश' जिसका शाब्दिक अर्थ होता है सिंधियों के लिए अलग देश। सिंधु देश एक विचार है जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बसे और दुनिया भर में फैले सिंधियों का एक सपना है। ये सिंधी दुनिया दूसरे एथनिक समुदायों की तरह अपने लिए एक अलग होमलैंड की मांग करते आ रहे हैं। जैसे कुर्द अपने लिए अलग देश की मांग करते हैं, यहूदी समुदाय के लोगों ने इजरायल नाम का अपना देश बनाया है, उसी तरह सिंधी पाकिस्तान के अंदर एक निश्चित भूभाग में अपने लिए एक स्वतंत्र और सार्वभौम मातृभूमि चाहते हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सबसे ज्यादा हिंदू आबादी रहती है। पाकिस्तान की कुल हिंदू आबादी का करीब 95 फीसदी सिंध प्रांत में हैं। पाकिस्तान के उत्पीड़न से त्रस्त इन लोगों ने अब वैश्विक नेताओं से गुहार लगाई है। वहीं, प्रदर्शनकारियों के हाथ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होने के पीछेएक बड़ी वजह है। कश्मीर की स्थिति को लेकर हुई एक सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि समय आ गया है, अब पाकिस्तान को विश्व के सामने बलूचिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों पर हो रहे अत्याचारों का जवाब देना होगा। मोदी के इस बयान के चलते बलोच आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी तवज्जो मिली थी। इसके बाद 2016 में भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बलूचिस्तान, गिलगित और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों का आभार व्यक्त किया था। दरअसल, पीएम मोदी के बयान के बाद पाकिस्तान में जुल्मो-सितम झेल रहे इन हिस्सों के लोगों ने उनकी आवाज उठाने के लिए मोदी को सोशल मीडिया पर धन्यवाद दिया था।

हाल ही में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जमसोरो जिले में जीएम सैयद के गृहनगर सान कस्बे में हुई रैली में लोगों ने आजादी के लिए नारे लगाए गए. प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान दावा सीधे तौर पर कहा- सिंध, सिंधु घाटी सभ्यता और वैदिक धर्म का घर है। ब्रिटिश साम्राज्य ने इस पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 1947 में पाकिस्तान के इस्लामी हाथों में दे दिया था। अलग सिंधुदेश की मांग को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है। इन लोगों का मानना है कि पाकिस्तान ने सिंध प्रांत पर जबरन कब्जा कर रखा है। साथ ही पाकिस्तान संसाधनों का दोहन और मानवाधिकारों के जमकर उल्लंघन करता है। जिये सिंध मुत्ताहिदा महाज़ के चेयरमैन मुहम्मद बरफात ने कहा कि हमारी संस्कृति और इतिहास पर हुए दशकों से जारी हमलों के बावजूद हमने अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को बचाकर रखा है। हम आज भी बहुलतावादी, सहिष्णु और सौहार्दपूर्ण समाज हैं, जो मानव सभ्यता को बचाकर रखे हुए है।

पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही बलूचिस्तान, गिलगित और पाक अधिकृत कश्मीर में असंतोष बढ़ने लगा था। पाकिस्तानी हुकूमत पर पंजाबी वर्ग के वर्चस्व से लेकर मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पाक के नापाक इरादों की एक लंबी दास्तान है। इन सबके बीच अब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के चलते भी पाक में भारी असंतोष फैल रहा है। पाकिस्तान के इन हिस्सों की आवाम अब खुलकर अपना विरोध दर्शा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत की वर्तमान मोदी सरकार पर इन लोगों का भरोसा बढ़ा है। ऐसे में अलगाववादी रैली में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर नजर आने से पाकिस्तान की पेशानी पर फिर से बल पड़ सकते हैं। अब देखना यह है कि अलग सिंध देश की मांग से क्या पाकिस्तान के टुकडे होंगे ? होंगे तो कितने होंगे ? सिंध देश यदि अलग बन जाता है तो वहां रहने वाले सिन्धी हिन्दुओं को इसका कितना लाभ मिल सकेगा ?

सिन्धु देश की मांग के आलावा साल 1947 में पाकिस्तान के बनने के साथ ही बलूच मुद्दे ने भी उसकी नाक में दम कर रखा है। आएदिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की खबरें आती हैं कि उसने अपने यहां कोई धमाका कर दिया, जिसमें पाकिस्तान सरकार या चीन के लोग मारे गए। इसके अलावा भी कई चरमपंथी संगठन हैं, जो बलूच आजादी चाहते हैं।दरअसल ये पाकिस्तान का वो हिस्सा है, जो कभी भी सरकार के बस में नहीं रहा। इसकी दो वजहें हैं- एक, पाकिस्तान ने धोखे से उसे अपने साथ मिला लिया। और दूसरा, बलूचिस्तान मानता है कि पाकिस्तान उसके साथ सौतेला व्यवहार करता रहा।

पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान की लीडर डॉ. नायला कादरी हाल ही में हरिद्वार पहुंची। बलूच आजादी की मांग के चलते अपने ही देश से निर्वासित डॉ कादरी ने खुद को बलूचिस्तान की प्रधानमंत्री की तरह पेश करते हुए मां गंगा से अपने देश की आजादी की मांग की। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे पाकिस्तान की सरकार बलूच लोगों पर जुल्म करती है। उनका कहना है कि गैस, कोयला, तांबा और कोयला जैसे कच्चे माल में बेहद संपन्न होने के बाद भी हमारा इलाका काफी गरीब है। यहां तक कि स्कूल और अस्पताल जैसी बेसिक जरूरतें भी वहां पूरी नहीं हो पा रहीं। पाकिस्तान ने अपने कर्ज चुकाने के लिए यहां की खदानों को चीन को लीज पर दे दिया। ये बलूच लोगों पर दोहरी मार थी। वे मानने लगे कि उन्हें पाकिस्तान और चीन दोनों मिलकल लूट रहे हैं।

उनके गुस्से को हवा मिली, जब साल 2006 में मौजूदा सरकार उनके कबीलाई सिस्टम को ध्वस्त करने लगी। इसके बाद से बलूच आजादी की मांग हिंसक होने लगी। अब बागी अपने यहां रहते चीनियों को नुकसान पहुंचाकर पाकिस्तान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। कई बार चीनियों के ठिकानों पर वे हमला करते रहते हैं।

इसके आलावा गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) का सबसे उत्तरी इलाका है। यहां पर भी लंबे समय से आजादी की मांग चल रही है। चरमपंथी संगठनों ने अपने देश का नाम भी तय कर रखा है- बलवारिस्तान यानी ऊंचाइयों का देश। ये इसलिए क्योंकि ये पूरा इलाका ही पहाड़ों और वादियों का है।समय-समय पर यहां आंदोलन होते रहे। यहां के नेताओं का आरोप है कि पाकिस्तान का सबसे शानदार टूरिस्ट स्पॉट होने के बाद भी वो उन्हें ज्यादा प्रमोट नहीं करती। सरकारी योजनाएं भी यहां पूरी तरह से लागू नहीं होतीं। यही देखते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान की मांग होती रही। लेकिन सरकार लगातार इसके लीडर्स को खूनी संघर्ष में खत्म करती रही।

इसके अलावा भी पूरे देश में छिटपुट हिस्सों में अलगाववाद पनपता रहा। यहां तक कि देश के विभाजन के कुछ समय बाद आए मुस्लिमों को भी वहां स्वीकारा नहीं जा रहा। ये लोग मुहाजिर कहलाते और योजनाओं से दूर रखे जाते हैं। ये भी मुहाजिर सूबे की मांग बीच-बीच में कर लेते हैं। वैसे ये उस तरह के एक्सट्रीम नहीं हैं, जिनपर पाकिस्तान परेशान रहे। अफगानिस्तान में तालिबान आने के बाद से पाकिस्तान का डर और बढ़ा क्योंकि यहां मौजूद पश्तून आबादी अफगानिस्तान का हिस्सा बनने की बात करती आई है। अगर ऐसा हुआ तो लगभग पूरा खैबर पख्तूनख्वा अलग हो जाएगा और पाकिस्तान को टुकड़ों - टुकड़ों में बनने से कोई रोक नहीं सकता।

तुर्किये पर भारत की ट्रेड स्ट्राइक के मायने

विश्व नीति

कुलदीप सिंह भाटी

लेखक स्तंभकार हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आतंकियों को सबक सिखाने और आतंकवाद के प्रति भारत की असहिष्णुता की नीति के तहत भारत ने पड़ोसी देश पाकिस्तान में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर सैन्य कार्यवाही शुरू कर दी थी। हालांकि बाद में पाकिस्तान ने घबराकर संघर्ष-विराम का प्रस्ताव रखा जिसे भारत ने सशर्त स्वीकार कर लिया।

पाकिस्तान के साथ इस सैन्य-संघर्ष में भारत के विरुद्ध प्रतिक्रिया देने और नापाक इरादों वाले पाकिस्तान का साथ देने वाले देशों विशेषतः तुर्किये और अजरबेजान के लिए भारत में बहुत गहरी नाराज़गी देखी जा रही है। इस संघर्ष में तुर्किये ने जिस तरीके से भारत के विरुद्ध वाक्-युद्ध छेड़ा, यह संप्रभु भारत के लिए असहनीय व अस्वीकार्य था। तुर्किये ने न केवल मीडिया व अन्य मंचों पर भारत के विरुद्ध बयान दिए बल्कि पाकिस्तान को इस संघर्ष में सैन्य संसाधन उपलब्ध करवा कर सहायता भी की। 14 मई को तुर्किये प्रधानमंत्री अर्दोआन ने पाकिस्तान को अपना दोस्त बतलाते हुए भारत के खिलाफ विष वमन किया। संघर्ष के दौरान भारत पर हुए ड्रोन हमलों में प्रयुक्त बेयकर यीहा 3 और असीसगार्ड सोंगर नामक ड्रोन भी तुर्किये ने ही उपलब्ध करवायें। इसके बाद भी जब पाक-सेना इनको ठीक से प्रयोग करने में अक्षम रही तो तुर्किये ने अपने तकनीकी विशेषज्ञों तक को सहायता के लिए पाकिस्तान भेजा था। भारत ने पाकिस्तान के प्रति तुर्किये के इस समर्थन व सहयोग को परोक्ष रूप से आतंकवाद व इसकी समर्थक सत्ताओं के लिए प्रोत्साहक माना। पाकिस्तान से सीजफायर के बाद भारत ने तुर्किये पर महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए कूटनीतिक तरीके से इसके भारत के साथ हो रहे विदेशी-व्यापार को लक्ष्य बनाया।

तुर्किये ने पाकिस्तान को अपना महत्वपूर्ण मित्र राष्ट्र तो बताया पर वह यह भूल गया कि भारत ही वह देश है जिसने 2023 में उसके देश में आये भूकम्प पर ऑपरेशन दोस्त के तहत सबसे पहले व सबसे तेज 12 घंटे में राहत सामग्री, बचाव उपकरण, सेना व एनडीआरएफ की टीम भेजी थी।

दग़ाबाज़ तुर्किये का यह दुष्कृत्य न केवल भारत सरकार बल्कि यहाँ के जनमानस के लिए भी अस्वीकार्य था। अतः हमारी सरकार द्वारा विरोधस्वरूप तुर्किये के विरुद्ध कुछ प्रतिबंधात्मक कदम उठाए जाते, इससे पहले ही हमारी राष्ट्रवादी जनता ने स्वतः संज्ञान लेकर स्वविवेक से तुर्किये से आयातित उत्पादों का बहिष्कार कर उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। सर्वप्रथम देशवासियों ने तुर्किये के पर्यटन व्यवसाय पर चोट की और वहाँ घूमने जाने वालों भारतीयों ने बड़ी संख्या में अपने टिकिट रद्द करवाएं। यात्रियों के टिकिट रद्द करवाने के साथ ही ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TAAI) और ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (TAFI) ने 9 मई को घोषणा की कि वे अब तुर्की और अजरबैजान के लिए पैकेजों का प्रचार या बिक्री नहीं करेंगे। कई यात्री पर्यटक अब तुर्किये के बजाय अन्य वैकल्पिक देशों को पर्यटन के लिए चुन रहे हैं। इससे तुर्किये को होने वाले आर्थिक नुकसान का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि वर्ष 2024 में लगभग 3.30 लाख भारतीय पर्यटकों ने तुर्किये की यात्रा की, जिसका वहाँ की अर्थव्यवस्था में करीब रु. 3000 करोड़ का योगदान था।

विरोध के इस रास्ते को धीरे-धीरे अन्य उद्योगों ने भी अपनाया। देश के फल व्यापारियों ने तुर्किये से आयात होने वाले सेबों का बहिष्कार करना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि तुर्किये से हर वर्ष बड़ी मात्रा में सेब आयात होते हैं जो कि आयात शुल्क से मुक्त होते हैं। इससे देश के हिमाचली क्षेत्रों के प्रीमियम सेबों को मूल्यों के आधार पर इनसे कड़ी प्रतिस्पर्धा व संघर्ष करना पड़ता हैं। स्थानीय सेबों को वाज़िब बाज़ार मूल्य भी नहीं मिल पाता। वर्ष 2023-24 में केवल तुर्किये से ही 821 करोड़ रुपये के 117663 टन सेबों का आयात हुआ था। व्यापारियों और खरीदारों के इस बहिष्कार से भारतीय बाजारों से तुर्किये के सेबों की लाली गायब हो गई है। हिल स्टेट हॉर्टिकल्चर फोरम ने तो चेरी और अन्य बागवानी फसलों के आयात पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने की वकालत की है।

पर्यटन और बागवानी फसल सेब के बाद तुर्किये के मार्बल उद्योग पर भी भारत ने प्रहार किया है। तुर्किये से भारत विभिन्न प्रकार के मार्बल जिसमें ब्लॉक और स्लैब शामिल है, का आयात करता है। भारत के मार्बल हेतु प्रमुख क्षेत्र दिल्ली, किशनगढ़, सिलवासा, चित्तौड़गढ़ आदि ने तुर्किये से मार्बल आयात को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया है। भारत में विभिन्न देशों से आयात होने वाले कुल मार्बल का 70 प्रतिशत आयात अकेले तुर्किये से होता है। भारत के व्यापारी इसके विकल्प के रूप में अब इटली, वियतनाम, स्पेन, ग्रीस आदि देशों से क्वालिटी मार्बल आयात करने पर काम कर रहे हैं।भारत के बहिष्कार का इतना असर हुआ है कि तुर्किये के स्थानीय व्यापारी भारत के मार्बल व्यापारियों से आर्डर कैंसिल न करने और व्यापारिक संबंध बनाए रखने के लिए लगातार संपर्क कर आग्रह कर रहे हैं।

राष्ट्र-हित व देश के प्रति उद्योग जगत की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि इसके बाद भारत ने तुर्किये से आयात होने वाले ज्वेलरी उद्योग पर भी स्ट्राइक कर दी है। पिछले कुछ समय से भारत में तुर्किये में बनी कम वजन की ज्वेलरी खूब प्रचलन में आई है। इसने हमारे स्थानीय बाजारों में धूम मचा रखी है। फलतः बाजार में इसकी मांग भी तेजी से बढ़ने लगी। अब तुर्किये को घुटनों पर लाने के लिए अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष ने देश के सभी आभूषण विक्रेता, निर्माता, व्यापारी और थोक विक्रेता से तुर्किये से सभी लेन-देन बंद करने की अपील की है। इस अपील पर सम्पूर्ण ज्वेलरी उद्योग ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए तुर्किये के विरुद्ध विरोध के स्वरों को और तेज कर दिया है।

इसके अतिरिक्त इन मुख्य आयातकों वस्तुओं या उत्पादों के साथ ही सब्जियों, चूना, सीमेंट, खनिज-तेल, रसायन, प्राकृतिक या संवर्धित मोती, लोहा और इस्पात आदि के आयात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ना शुरू हो गया है।

भारत के जेएनयू सहित कई विश्वविद्यालयों द्वारा तुर्किये के शैक्षिक संस्थानों के साथ किये गए समझौता ज्ञापनों तक को रद्द या स्थगित कर दिया गया हैं। इसके साथ ही भारत के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी इसके उत्पादों को अपने पोर्टल से हटा रहे हैं।

भारत में तुर्किये के उत्पादों के बहिष्कार संबंधी इस अभियान के साथ तुर्किये पर उस समय गहरी चोट हुई जब ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के संयुक्त निदेशक सुनील यादव ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन को भारत में मिली सुरक्षा क्लीयरेंस रद्द कर दी। इससे आशय यह है कि हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग, यात्री सुविधाओं और विमान की सफाई, एप्रेन में स्टाफ लगाने आदि के लिए कंपनी को शत प्रतिशत सिक्योरिटी क्लीयरेंस मिला हुआ था। भारत सरकार के उक्त आदेश के बाद कंपनी अब यह सब नहीं कर पायेगी। कंपनी को भारत द्वारा तय सिक्योरिटी प्रोग्राम बनाना होगा, जो तत्काल सम्भव नहीं है, यानी अब यह कंपनी भारतीय हवाई अड्डों पर काम नहीं कर पायेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व यह कंपनी भारत में सालाना 58 हजार उड़ानें और 5.40 लाख टन कार्गो हैंडल करती थी।

भारत ने तुर्किये की कंपनियों से जुड़े समझौतों व परियोजनाओं की भी समीक्षा शुरू कर दी है। आईटी, मेट्रो रेल व टनल सहित कई प्रोजेक्ट के साथ ही निर्माण व तकनीकी जैसे अनेक क्षेत्रों में बहुत-सी तुर्किये कंपनियों का निवेश हैं और कई में ये सक्रिय रूप से कार्यरत भी हैं।

निष्कर्षतः भारत ने तुर्किये को पाकिस्तान का साथ देने के लिए रणनीतिक रूप से घेरा है। तुर्किये के व्यापार और वाणिज्य पर भारत की यह एक सफल ट्रेड स्ट्राइक है जिसके परिणाम वर्तमान के साथ निकट भविष्य में और बेहतर रूप से निकलकर आएंगे। यह कदम विश्व के दूसरे विरोधी देशों के लिए भी एक चेतावनी है कि भारत अब न केवल पाकिस्तान बल्कि उसके दुष्कृत्यों में उसका साथ देने वालों को भी अपने तरीके से सबक सिखाएगा। निश्चित ही तुर्किये को अहसास होगा कि उसने भारत की संप्रभुता के प्रति शत्रुतापूर्ण भाव रखकर आतंकवाद समर्थक सत्ता व शासन का साथ देकर गंभीर भूल की है। तुर्किये के विरुद्ध यह कार्रवाई और भारतीयों का बहिष्कार आंदोलन भारत के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांत के लिए आवश्यक था ताकि आगे से ऐसा सोचने या करने से पूर्व दूसरे इसके परिणामों पर भी विचार कर सकें।

नाइट्रोजन धुँए का शादियों में उपयोग बंद हो

सरोकार

संदीप कुलश्रेष्ठ

आजकल शादियों में नाइट्रोजन गैस के धुँए का उपयोग आम हो गया है। खासकर मंच पर वर-वधु के प्रवेश पर धुँए के बादल उड़ाने का प्रचलन एक परिपाटी बन गया है। किन्तु यह काफी खतरनाक है। इस धुँए के कारण मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में एक 7 साल की मासूम बच्ची अपनी जान गंवा बैठी है।

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के खुजनेर में 6 मई 2025 को एक हादसा हो गया। राजगढ़ जिले के ही बाढ़गाँव के निवासी राजेश गुप्ता अपने परिवार के साथ रिश्तेदार की शादी में शामिल होने खुजनेर गए थे। उनके साथ उनकी 7 साल की बच्ची वाहिनी भी थी। शादी की रस्मों के दौरान दुल्हा-दुल्हन की एन्ट्री का समय आया, उस वक्त धुँए के बादल बनाने के लिए नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल कर धुँआ उड़ाया गया। उसी वक्त वहीं मौजूद मासूम वाहिनी नाइट्रोजन से भरे पॉट में गिर गई। नाइट्रोजन की तासिर काफी ठंडी होती है। करीब -196 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान के नाइट्रोजन पॉट ने वाहिनी के शरीर को बूरी तरह जला दिया। हादसे में बच्ची का करीब 80 प्रतिशत शरीर जल चुका था। गंभीर हालत में उसे इन्दौर ले जाया गया। वह चार दिन तक जिन्दगी और मौत के बीच झूलती रही। आखिरकार उसने दम तोड़ दिया।

क्या है नाइट्रोजन गैस ?

नाइट्रोजन गैस एक रंगहीन, गंधहीन, स्वादहीन और अक्रिय गैस है, जो पृथ्वी के वायुमंडल का लगभग 78 हिस्सा बनाती है। इसे कई औद्योगिक प्रक्रियाओं में इस्तेमाल किया जाता है, जैसे कि रेफ्रिजरेंट, खाद्य पदार्थों को संरक्षित करना और टायर में हवा भरने के लिए। नाइट्रोजन वायुमंडल से मिट्टी में और फिर से वायुमंडल में एक चक्र के माध्यम से घूमता है, जिसे नाइट्रोजन चक्र कहा जाता है। नाइट्रोजन गैस का उपयोग कई स्थानों पर जरूरी भी है। इस कारण उसके उपयोग और भंडारण के लिए सरकार ने नियम बना रखे है। जैसे इसका भंडारण प्रशासन द्वारा तय सुरक्षित स्थान पर निर्धारित मानकों में ही किया जा सकता है। इसका कमर्शियल उपयोग ट्रेंड और लायसेंसधारी व्यक्ति ही कर सकता है। इसके उपयोग के लिए इसकी प्रशासनिक अनुमति लेना भी जरूरी है। लेकिन कोई भी इसका पालन नहीं करता है। विशेषकर शादियों में तो नौसिखिये ही नाइट्रोजन पॉटलगाकर धुँए के बादल उड़ा रहे हैं। आसपास बच्चों के साथ लोगों की भीड़ भी मौजूद रहती है। लेकिन वहाँ सुरक्षा के कोई भी साधन उपलब्ध नहीं होते है। इसलिए वह हादसे के कारण भी बनते हैं।

नाइट्रोजन गैस काफी खतरनाक है। ये काफी ठंडी होती है। आजकल सभी शादी समारोह या अन्य पार्टियों में नाइट्रोजन गैस से धुँए के बादल उड़ाना आम हो गया है। इस पर तुरंत प्रतिबंध लगाना चाहिए। यह दिखावे की चीज है, लेकिन किसी की जान भी ले सकती है। यह अत्यन्त खतरनाक है। इसलिए इसके शादियों में उपयोग पर तुरंत रोक लगानी चाहिए, ताकि किसी मासूम की जान बच सके।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

इतिहास की चाय, नेताओं की राय

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सुभाषू का ठेला था। स्कूल के सामने। वहां इतिहास नहीं, चाय बिकती थी, पर बहस वही थी – कौन सा राजा सही, किसने किया बलिदान ज़्यादा, किसकी मूंछें बड़ी थीं। सुभाषू के पास एक खटारा रेडियो था, जिस पर कभी 'मन की बात' और कभी मन की भड़ास बजती थी। हर घूंट चाय के साथ बहस गरम, दिमाग ठंडा। पर सुभाषू का दुख ये था कि इतिहास पुरुष तो किताबों में थे, उसकी बेटी कविता तो आज भी पुराने बस्ते में स्कूल जाती थी। स्कूल का बस्ता था कल के राजा, आज के लोकतंत्र और कल की बेरोज़गारी का गठजोड़।

'अबे सुन बे रामखिलावन, इतिहास का क्या रखा है? आज राजा वही है, जिसके हाथ में सोशल मीडिया की तलवार है!' – पप्पू गुटखा चबाते हुए बोला। पप्पू वही था, जिसने एक बार 'गांधी जयंती' पर 2 अक्टूबर को 'हैप्पी बर्थडे सरदार पटेल' लिख दिया था। 'क्यों बे, गांधी और पटेल दोनों की जयंती एक ही दिन होती है क्या?' – जब कोई पूछे, तो पप्पू तुरंत कहता – 'भाईसाब, इतिहास को भावनाओं से मत जोड़ो। इमोशन्स में नेशन बर्बाद होता है।'

इधर चाय के ठेले पर बहस चल रही थी - 'शिवाजी महाराज ने मुसलमानों से कितनी लड़ाइयां लड़ीं?' एक गुट ने तुरंत टोक दिया, 'नहीं, उन्होंने तो धर्मनिरपेक्षता का झंडा उठाया था!' तभी एक नेता टाइप बनियान वाला आया और बोला – 'हमारी सरकार इतिहास को नया आयाम देने जा रही है। अब से टीपू सुल्तान की जगह वीर सावरकर की मूर्ति लगेगी।' सबने ताली बजाई, बस सुभाषू की बूढ़ी मां ने एक लंबा आह भरा – 'इतिहास बदला है बेटा, पर घर की छत आज भी टपकती है।'

टीचर मिर्चीलाल आये, बोले – 'इतिहास क्या है जानते हो? भूले-बिसरे कवियों की रचनाएं और नेताओं की घोषणाएं। जिसमें सिर्फ तारीखें बदलती हैं, सच्चाई वहीं की वहीं रहती है – लाचार! सुभाषू ने पूछा – सर जी, आपकी किताब में चंद्रगुप्त मौर्य अब भी हैं या उन्होंने भी पार्टी बदल ली? मिर्चीलाल बोले – बेटा, अब किताबें सीबीएसई से नहीं, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से बनती हैं।

अचानक एक दिन टीवी पर खबर आई –बड़ी घोषणा– सुभाषचंद्र बोस की जगह अब नेताजी भोलानाथ यादव की मूर्ति लगेगी, क्योंकि उन्होंने 1972 में गांव की सड़क का फीता काटा था। सब चौंके। कविता बोली – पापा, नेताजी कौन थे? सुभाषू बोला – बेटा, ये वो लोग होते हैं जो तुम्हारे जैसे बच्चों की किताब से असली नायक को निकालकर अपना नाम घुसेड़ देते हैं। कविता बोली –तो क्या हमें झूठ पढ़ना होगा? सुभाषू ने गहरी सांस ली – बेटा, आजकल सच पढ़ना राजद्रोह है।

अभी बहस का दौर चल ही रहा था कि गली में एक मूर्ति टूटी हुई मिली – सरदार पटेल की। किसी ने लिखा – पार्टी चेंज कर ली थी, अब वो हमारे नहीं रहे। रात में फिर खबर आई – महापुरुषों की मूर्तियों पर हमला करने वालों को देशद्रोही माना जायेगा। और सुबह, उसी नेता ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा – हमने मूर्तियों पर हमला नहीं किया, सिर्फ इतिहास को नया स्वरूप दिया है। इतिहास ने एक और करवट ली, और कविता के स्कूल में एक नया चैप्टर जुड़ गया – महान नेता भोलानाथ यादव का ऐतिहासिक योगदान।

धीरे-धीरे कविता बड़ी हो गई, पर देश वही रहा – एक ऐसा देश जहां हर नेता को किसी न किसी इतिहासपुरुष की आड़ में चुनाव जीतना था। किसी ने गांधी के नाम पर दुकान खोली, किसी ने अंबेडकर के नाम पर वोट मांगे। कविता की शादी एक क्लर्क से हुई, जो हर महीने वेतन न मिलने पर जय सुभाष चिल्लाता था। कविता पूछती – इससे क्या होगा? वो कहता – इतिहासपुरुष का नाम लेने से पेट नहीं भरता, लेकिन असली मुद्दों से ध्यान ज़रूर भटक जाता है।

एक दिन सुभाषू का चाय ठेला हटाया गया। कारण था – विकास परियोजना के तहत ऐतिहासिक सड़क का निर्माण। ठेले की जगह अब एक स्मारक बना – नेता जी का प्रेरणा स्थल। उसी पर लिखा था – इस ऐतिहासिक स्थान पर नेताजी ने भाषण दिया था – वोट दो, सब मिलेगा।

पर न चाय मिली, न कविता को नौकरी। न सुभाषू की मां को इलाज मिला, न उसके बेटे को स्कॉलरशिप। इतिहासपुरुष की मूर्ति के नीचे सब तस्वीर खिंचवा रहे थे, पर सुभाषू की आंखें गीली थीं – 'इतिहास ने बहुत कुछ दिया बेटा, बस हमें कभी गिनती में नहीं रखा। हम हमेशा उन पन्नों में रहे जो किताब से फटे हुए थे।'

कविता ने एक पुरानी किताब खोलकर देखा – 'इतिहास' शीर्षक था। उसमें दर्ज एक पंक्ति ने रुला दिया –'जिन्होंने इतिहास रचा, उनका नाम नहीं बचा; जिनके नाम पर इतिहास रचा गया, उनका काम नहीं बचा।'

इतिहासपुरुष की मुस्कुराती मूर्ति के पीछे, एक गरीब चाय वाला खुद को इतिहास से बेदखल पाता रहा।

और चाय का उबाल ठंडा पड़ता गया।

शरद जोशी: व्यंग्य लेखन में अलग पहचान बनाने वाले व्यंग्यकार

जयंती पर विशेष

यशवंत गोरे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

शरद जी की प्रारंभिक शिक्षा उज्जैन में हुई बाद में आपने इंदौर के होलकर महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। शरद जी को स्कूली जीवन से ही लिखने का शौक लग गया था। उनके लेख पत्र -पत्रिकाओं में छपना शुरू हो गए थे ,इससे उन्हें कुछ आमदनी भी होने लगी थी। अपनी उच्च शिक्षा का खर्च उन्होंने अपने लेखों से प्राप्त पैसों से ही पूरा किया। वर्ष 1955 में दौरान शरद जी ने आकाशवाणी इंदौर में पांडुलिपि लेखक के रूप में काम शुरू किया। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार के सूचना विभाग में जनसम्पर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे , लेकिन एक ही स्थान पर - एक ही जैसा काम करना उनके स्वभाव में नहीं था सो उन्होंने ये नौकरी छोड़ दी, और स्वतंत्र पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करने लगे।

हिन्दी साहित्य जगत में अपने व्यंग्य लेखों के कारण प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि शरद जोशी का आज - दिनांक 21 मई को जन्मदिन है, आपका जन्म मध्य प्रदेश के ही उज्जैन जिले में सन 1931 में हुआ था जोशी जी का परिवारएक कर्मठ एवं कर्मकांडी ब्राह्मण परिवार था। बचपन में शरद जी को 'बच्चू' नाम से पुकारा जाता था। शरद जोशी जी का परिवार मूल रूप से गुजरात का रहने वाला था जो मालवा क्षेत्र के उज्जैन में में आकर बस गया था। आपके पिताजी श्रीनिवास जोशी, माताजी शांति जोशी जो बहुत ही धार्मिक संस्कारों वाली महिला थी। शरद जी के पिता मध्य प्रदेश राज्य परिवहन निगम में एक छोटी सी नौकरी डिपो मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। निगम की तबादला नीति के कारण उनका तबादला प्रदेश के विभिन्न शहरों में होता रहता था। इस कारण शरद जी का बचपन - महु, उज्जैन, नीमच, देवास, गुना जैसे शहरों में बीता। शरद जी का अपनी मां से बहुत लगाव था उनका तपेदिक से अल्पायु में ही निधन हो गया, तपेदिक उस समय एक असाध्य रोग था। माताजी के निधन से शरद जी बहुत निराश और उदास रहने लगे। इस संकट की घड़ी में उनके कुछ मित्रों ने उन्हें संभाला।

शरद जी की प्रारंभिक शिक्षा उज्जैन में हुई बाद में आपने इंदौर के होलकर महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। शरद जी को स्कूली जीवन से ही लिखने का शौक लग गया था। उनके लेख पत्र -पत्रिकाओं में छपना शुरू हो गए थे,इससे उन्हें कुछ आमदनी भी होने लगी थी। अपनी उच्च शिक्षा का खर्च उन्होंने अपने लेखों से प्राप्त पैसों से ही पूरा किया। वर्ष 1955 में दौरान शरद जी ने आकाशवाणी इंदौर में पांडुलिपि लेखक के रूप में काम शुरू किया। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार के सूचना विभाग में जनसम्पर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे, लेकिन एक ही स्थान पर - एक ही जैसा काम करना उनके स्वभाव में नहीं था सो उन्होंने ये नौकरी छोड़ दी, और स्वतंत्र पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करने लगे। सामान्य शारीरिक कद काठी वाले शरद जी को उनकी विशिष्ट दार्शनिकता, बौद्धिकता, व्यंगात्मक सोच , उन्हें एक अलग विलक्षण, अद्भुत व्यक्तित्व प्रदान करती है , जो एक साधारण होते हुए भी असाधारण व्यक्तित्व थे, वे अपने मित्रों के मित्र, साहित्यकारों में साहित्यकार बन जाते थे। एक कट्टर ब्राह्मण- धार्मिक परिवार के होने के बावजूद उन्होंने एक मुस्लिम लड़की 'इरफाना' से प्रेम विवाह किया था, ये विवाह उनके प्रगतिशील विचारवान व्यक्तित्व की एक बड़ी पहचान है, उनकी पत्नी ने भी उनका हमेशा साथ दिया, अपने वैवाहिक जीवन में वो संतुष्ट और खुश रही। इस दम्पति की दो बेटियां है । नेहा शरद एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री और कवयित्री हैं। उन्होंने टीवी शो में काम किया है, जिनमें तारा, वक्त की रफ्तार, ममता, गुमराह,ये दुनिया गजब की और फरमान शामिल हैं।

सन् 1951 से अगले कई दशकों तक शरद जी की रचनाएं देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही, इंदौर के सुप्रसिद्ध समाचार पत्र 'नई दुनिया' में सन् 1951 से 'परिक्रमा' नाम के स्तंभ में नियमित रूप से लिखना शुरू किया जबकि उस समय उनकी आयु थी 20 वर्ष थी। धीरे-धीरे उनकी पहचान पुरे देश में एक व्यंग्य लेखक के रूप में कायम हो गयी आपकी कुछ व्यंग्य रचनाओं के प्रमुख संग्रह है - 'परिक्रमा', 'जीप पर सवार इल्लियाँ' 'मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएँ' 'यथा संभव' 'हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे' 'जादू की सरकार' 'राग भोपाली' आपने 'एक था गधा उर्फ अलादाद ' तथा 'अंधो का हाथी' व्यंग्य नाटक भी लिखे है। आपने फिल्मों के लिये भी लेखन कार्य किया है ये फिल्में है 'क्षितिज, छोटी सी बात, सांच को आंच नहीं, गोधूलि, दिल है के मानता नहीं, उत्सव आदि टेलीविजन धारावाहिक- ये जो है जिन्दगी, विक्रम और बेताल, सिंहासन बत्तीसी, वाह जनाब, देवी जी, प्याले में तूफान, ये दुनिया गजब की, ये सब उनकी लेखनी का ही कमाल है। उनके स्वर्गवास के बाद उनकी लिखी रचनाओं पर आधारित टेलीविजन धारावाहिक 'लापतागंज' बहुत लोकप्रिय रहा है। शरद जोशी जी ने भोपाल के समाचार पत्र 'दैनिक मध्य देश' , मासिक पत्रिका 'नवल लेखन' तथा मुम्बई के दैनिक 'हिन्दी एक्सप्रेस' के संपादक का काम भी संभाला। अन्तिम कॉलम 'प्रतिदिन' नवभारत टाइम्स में लगातार 7 वर्षों तक छपा। आपको भारत सरकार द्वारा सन 1990 में 'पद्मश्री' से अलंकृत किया गया है। वे सरकारी पुरस्कारों से बचते रहे। शरद जी पीएचडी. के घोर विरोधी रहे पर आज शरद के साहित्य पर कई पीएच.डी. हो गए है। निराला सृजन पीठ की निदेशक डा. साधना बलवटे जी ने शरद जी पर ही पीएचडी की है। शरद जोशी जी लगभग 25 वर्षों तक देश के बड़े कवि सम्मेलनों के स्टार कवि रहे है। जब उन्हें स्टेज पर बुलाया जाता था तब तक रात के दो बज चुके होते थे फिर भी उनको सुनने के लिए हजारों की संख्या मेंउपस्थित रहते थे।

5 सितम्बर 1991 को शरद जोशी जी उनकी साँस और कलम दोनों थम गई। आदरणीय शरद जी को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा ने अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि वे 'अपने समय के कबीर थे। शरद जोशी को मैं एक अत्यन्त संवेदनशील रचनाकार मानता हूँ, अपने समय की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विसंगतियों को उन्होंने अत्यन्त पैनी निगाह से देखा और उसे अत्यंत सटीक शब्दों में व्यक्त किया। उनकी रचनाओं को मैं अपने समय की विसंगतियों पर की गई निर्भीक टिप्पणियाँ मानता हूँ, वे अत्यन्त साहसी तथा द्वन्द -रहित रचनाकार थे, उनके सामने जीवन के उद्देश्य बिलकुल स्पष्ट थे। अपने इस गुण के कारण वे सबके प्रिय लेखक बनगए थे। उनकी व्यंग्य रचनाएँ टूटते हुए जीवन मूल्यों के प्रति उनकी चिन्ता तथा छीना-झपटी और आडम्बर युक्त संस्कृति के प्रति उनके आक्रोश को अभिव्यक्ति करती है। जब तक रचनाकार अपने जीवन में ईमानदार नहीं होना, तब तक उसकी व्यंग्य रचनाओं में वह तीखापन नहीं आ सकता, जैसा की शरद जोशीकी रचनाओं में था। छोटे-छोटे विषयों को भी अपनी स्याही का स्पर्श देकर बड़ा कर देने की गजब की चमत्कारिक शक्ति उनके पास थी। मैं समझता हूँ जोशी जी में जो वह लेखकीय संवेदना थी, सामाजिक प्रतिबद्धता थी तथा व्यवहारऔर विचारों का जो सामंजस्य था, वह हमारे देश के रचनाकारों के लिए एक अनुकरणीय बात है।'

भारत की चेतना का रंग है सिंदूर

आतंक का जवाब

डॉ. गरिमा संजय दुबे

लेखक प्राध्यापक हैं।

सती के अग्नि स्नान का रंग है, वह पार्वती के शृंगार के लास्य और लालित्य में समाहित है, वह शिव के तांडव का रंग है, वह तीसरे नेत्र की ऊर्जा का रंग है, वह सहस्त्रार के जागरण का रंग है, वह सूर्य की प्रखरता का रंग है तो चांद की शीतलता में भी दिखाई देता है, तो सूर्य के तेज में भी वही सिंदूरी आभा है, वह श्रीगणेश की सिद्धि का रंग है तो वह हनुमान के पराक्रम का रंग भी है, वह केवल स्त्री की मांग में भरा जाने वाला कोई शृंगार नहीं है ।इन सब शक्तियों के समुच्चय के रूप में स्त्री उसे मांग में सजाती है, कि देख ले वह कितनी सशक्त है, न भी सजाए मांग में तो यह रंग समुच्चय उसकी चेतना में स्थापित हो जाता है, क्योंकि वह परिवार समाज की सांस्कृतिक परम्परा की वाहक शक्ति है ।रंगों में भेद देखने वाले इस रंग में सांप्रदायिकता और स्त्री विरोधी तत्व देखते हैं यह कितना हास्यास्पद है ।क्या सिंदूर केवल सुहाग का प्रतीक है, नहीं वह भारतीय समाज की ओजस्वी चेतना के प्रतीक रूप में ग्रहण किया जाना चाहिए ।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पहलगाम के निर्दोष पीड़ितों के न्याय की जो इबारत इस देश की सरकार और सेना ने मिलकर रची है उसने इस देश की आत्मा को झंकृत किया है। विश्वास कीजिए किसी ने नहीं सोचा होगा ऐसा भी कोई मन को छू लेने वाला, आत्मा को झंकृत कर देने वाला, चेतना को स्पर्श करने वाला नाम कोई चुन भी सकता है। यह वही चुन सकता है जिसके मन में इस देश की संस्कृति इसकी लोक परंपरा और उससे जुड़े भावों के प्रति गहरी आस्था और सम्मान हो । कुछ बातों को मंत्र की तरह दोहराया जाना चाहिए उससे लेखन में दोहराव हो तो हो, लेकिन मंत्र की तरह दोहराए जाने से वह सिद्ध होती हैं, इसलिए अच्छी बातें बार बार दोहराई जानी चाहिए। उनमें एक मंत्र यहां दोहराना आवश्यक है 'किसी भी समाज को लोक आस्था को, संस्कृति को नकार कर कोई वाद, कोई पंथ कभी सफल नहीं हो सकता' । मार्क्सवाद, वामपंथ इसी भयानक भूल का परिणाम भुगत रहे हैं । यह कैसा विमर्श है जो तिलक, जनेऊ और सिंदूर से भय खाता है, यह कैसा विमर्श है जो आपको अपने नाम को बदलने पर विवश करता है, यह कैसा विमर्श है जो आपको आपकी लोक, संस्कृति और धर्म के लिए अपमानित करता है। नहीं यह विमर्श नहीं है विष है ।

सिंदूर की बात कहें तो,महागौरी, महासरस्वती और महाकाली के रौद्र रूप में सिंदूर है, वह चंडी का शृंगार है, दुर्गा की हुंकार है, सिंदूर खेला में वह अपनी अनोखी सौंदर्य अनुभूति से जगमग है, वहां दुर्गा का तेज भी है, गौरा का सौंदर्य भी, वह सती के अग्नि स्नान का रंग है, वह पार्वती के शृंगार के लास्य और लालित्य में समाहित है, वह शिव के तांडव का रंग है, वह तीसरे नेत्र की ऊर्जा का रंग है, वह सहस्त्रार के जागरण का रंग है, वह सूर्य की प्रखरता का रंग है तो चांद की शीतलता में भी दिखाई देता है, तो सूर्य के तेज में भी वही सिंदूरी आभा है, वह श्रीगणेश की सिद्धि का रंग है तो वह हनुमान के पराक्रम का रंग भी है, वह केवल स्त्री की मांग में भरा जाने वाला कोई शृंगार नहीं है । इन सब शक्तियों के समुच्चय के रूप में स्त्री उसे मांग में सजाती है, कि देख ले वह कितनी सशक्त है, न भी सजाए मांग में तो यह रंग समुच्चय उसकी चेतना में स्थापित हो जाता है, क्योंकि वह परिवार समाज की सांस्कृतिक परम्परा की वाहक शक्ति है। रंगों में भेद देखने वाले इस रंग में सांप्रदायिकता और स्त्री विरोधी तत्व देखते हैं यह कितना हास्यास्पद है। क्या सिंदूर केवल सुहाग का प्रतीक है, नहीं वह भारतीय समाज की ओजस्वी चेतना के प्रतीक रूप में ग्रहण किया जाना चाहिए।

सिंदूर इस देश की स्त्री ही नहीं प्रत्येक नागरिक की प्रज्ञा का, उसकी मेधा का, उसके ओज का, उसकी संस्कृति का रंग है । इसलिए उसे केवल एक कर्मकांड भर न मानिए, उसे केवल एक नाम भर न मानिए, उसे केवल एक संज्ञा भर न मानिए वह विशेषण की तरह कार्य करता है, एक शब्द में पूरी संस्कृति की व्याख्या करता है ।

वह सीता की मांग का रंग है जिससे रावण भी भयभीत होता है । यह श्रीराम की वीरता का रंग भी है, जहां से श्रीराम युद्ध

की प्रेरणा पाते हैं, वह द्रोपदी के चीर का रंग है जिसे उतारते उतारते दुशासन स्वयं नंगा हो गया, वह श्रीकृष्ण की कृपा का रंग भी है, सिंदूर इस देश की उन स्त्रियों की चेतना का रंग है जिसे किसी स्युडो फेमिनिज्म की आवश्यकता नहीं । वह इस देश के पुरुषों की प्रेरणा का रंग है, वह पुरुषार्थ का दमकता रंग है । सिंदूर इस राष्ट्र की संस्कृति, घर, परिवार, समाज को एक सूत्र में बांधने वाली मौली का रंग है इसलिए इससे श्रेष्ठ नाम भारत और उसकी आत्मा, उसकी वीरता, उसके धैर्य, उसके पौरुष, उसके सौंदर्य, उसके शील को दर्शाने के लिए उपलब्ध नहीं हो सकता था ।

मांग में सिंदूर भरना न भरना व्यक्तिगत चयन है, इन दिनों बहुत कम केवल तीज त्यौहार पर कोई इसका प्रयोग करते हैं वहां भी बाध्यता नहीं, किंतु सिंदूर न लगाते हुए भी उसकी अदृश्य उपस्थिति हम सबको जोड़े रहती है, सिंदूर केवल एक कर्मकांड नहीं है यह तो आत्मा पर, चेतना पर बिखरा हुआ वह रंग है जिसे हर भारतीय नित्य अनुभव करता है, कोई स्त्री इसे मांग में सजाए या न सजाए फिर भी उसके अनुभव में यह परिवार, विवाह, स्नेह, चरित्र और संस्कारों का आधार बनता है। तमाम अजीब से विमर्शों के पश्चात भी भारत में विवाह और परिवार संस्था का बना रहना हम सबकी चेतना में उस सिंदूर के जागृत होने का प्रमाण है जो हमारी शक्ति है, कमज़ोरी नहीं ।

अधकचरे ज्ञान और अहंकारी बौद्धिक जुगाली इसके निहितार्थ क्या समझेगी। यूं भी बुद्धि का भाव से बैर है, भावरहित बुद्धि विनाशकारी होती है, भावसंपन्न व्यक्ति अधिक सुंदर संसार रचते पाए गए हैं। सिंदूर उसी भावभूमि का रंग है ।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति समाज की सोच

मुद्दा

चित्रा माली

लेखक महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विवि वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता में सहायक प्राध्यापक हैं।

बच्ची की मेजर सर्जरी की गई। इसके पूर्व 11 साल की बच्ची के केस में इलाहाबाद हाई कोर्ट का एक फैसला आया जिसमें कहा गया कि महिला के निजी अंग पकड़ना और नाड़ा तोड़ना दुष्कर्म की कोशिश नहीं है। कोर्ट ने इसे अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच का अंतर बताया और निचली कोर्ट के द्वारा तय गंभीर आरोप में संशोधन का आदेश दिया। (हाई कोर्ट के इस तरह के निर्णय समाज के लिए कैसे उदाहरण पेश करते हैं इस पर भी विचार किया जाना आवश्यक है) जबकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यौन इरादे से बच्चे के अंगों को छूना भी पॉक्सो के तहत यौन हमला है। 19 नवंबर 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने एक फैसले में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को छूना या यौन इरादे से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत यौन हमला माना जाएगा।

भारतीय समाज में अपराधों का होना नया नहीं है और आज कल नए-नए अपराधों को ईजाद भी किया जा रहा है जो सामान्य व्यक्ति की कल्पना से कहीं अधिक आगे है। अभी कुछ माह पूर्व की दो घटनाएं सोशल मीडिया पर खूब छाई रही क्योंकि इनके विक्टिम पुरूष थे। सौरभ राजपूत और अतुल सुभाष, हम सभी इनसे और इनके साथ हुई हिंसा से परिचित हैं और इनके साथ हुई हिंसा से दुखी भी हैं। इनमें से एक घटना में प्रयुक्त नीले ड्रम को लेकर सोशल मीडिया पर काफी मीम बनाए गए और यह प्रचारित किया गया कि समूचा पुरुष वर्ग दहशत में है। कमाल की बात है इन दोनों घटनाओं से पुरुष वर्ग में डर का माहौल बन गया। इन दो घटनाओं से समूची आधी आबादी को जज किया जाने लगा।

लेकिन महिलाओं के साथ प्राचीन समय से लेकर वर्तमान समय तक नजाने कितनी और कितने प्रकार की हिंसा हुई है जिसका कहीं कोई मलाल और जिक्र तक नहीं। महिलाओं को मारकर उनकी लाश को कभी केरोसिन, तंदूर,कुकर,फ्रिज,बोरे, सूटकेस में भर कर ठिकाने लगाया गया है। इन वस्तुओं पर कभी कोई मीम नहीं बनाए गए और ना ही कहा गया कि महिलाओं में दहशत का माहौल है। महिलाएं कभी नहीं डरी इन वस्तुओं से जिन वस्तुओं का वो लगातार इस्तेमाल करती रही उन्हीं पुरुषों के लिए व्यंजन बनाने के लिए। वे पुरुषों को और उनके दुर्व्यवहार और हिंसा को बर्दाश्त करती रही और कर रही है। महिलाओं (इसमें सभी लड़कियों को भी शामिल कर रही हूं) के साथ प्रतिदिन रेल, बस, बाजार, दफ्तर, स्कूल और कॉलेजों में उन्हें घूरा जाता है, उन्हें जबरन छूने की कोशिश की जाती है उन पर अटपटी फब्तियां कसी जाती है। फिर भी उन्होंने रेल,बस,स्कूल,कॉलेज और सुनसान राहों पर प्रताड़ना के डर से जाना नहीं छोड़ा। घरेलू हिंसा की प्रताड़ना और

दहेज के लालच में मृत्यु के प्रकरणों के बाद भी महिलाओं ने विवाह करना नहीं छोड़ा। इस दृष्टि से भी क्या कभी हमने विचार किया है?

बहरहाल अभी हाल ही में (8 मई 2025) बिहार के दानापुर में एक बच्ची के साथ अमानवीय कृत्य हुआ उसकी उम्र महज 2 साल 4 महीने की थी। दुष्कर्म करने वाला 40 वर्षीय वासुदेव महतो जो चार बच्चों का पिता है। उसने बच्ची के गाल, सीने और प्राइवेट पार्ट पर गहराई से काटते हुए बर्बरता की सारी हदें पार कर दी। बच्ची की मेजर सर्जरी की गई। इसके पूर्व 11 साल की बच्ची के केस में इलाहाबाद हाई कोर्ट का एक फैसला आया जिसमें कहा गया कि महिला के निजी अंग पकड़ना और नाड़ा तोड़ना दुष्कर्म की कोशिश नहीं है। कोर्ट ने इसे अपराध की 'तैयारी' और वास्तविक प्रयास के बीच का अंतर बताया और निचली कोर्ट के द्वारा तय गंभीर आरोप में संशोधन का आदेश दिया। (हाई कोर्ट के इस तरह के निर्णय समाज के लिए कैसे उदाहरण पेश करते हैं इस पर भी विचार किया जाना आवश्यक है) जबकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यौन इरादे' से बच्चे के अंगों को छूना भी पॉक्सो के तहत 'यौन हमला' है। 19 नवंबर 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने एक फैसले में कहा था कि 'किसी बच्चे के यौन अंगों को छूना या 'यौन इरादे' से शारिरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत 'यौन हमला' माना जाएगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण 'इरादा' है,न कि त्वचा से त्वचा का संपर्क'।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के कुछ दिन बाद ही बनारस में एक अंडर ग्रेजुएट छात्रा का 7 दिनों तक 23 लड़कों ने बारी बारी से गैंगरेप किया। वह 4 अप्रैल को बदहवास हालत में अपने घर पहुंची और अपने माता-पिता को अपनी आप बीती सुनाई तो पिता की तबियत बिगड़ गई। सामाजिक व्यवस्था के तहत ब्लात्कार की पीड़िता का सही सलामत वापस लौटना परिवार को सदमे में डाल देता है मरने पर न्याय की गुहार लगाई जा सकती है लेकिन न्याय के लिए संघर्ष करना काफी मुश्किल होता है। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में वेंटिलेटर पर भर्ती निजी एयरलाइंस में कार्य करने वाली एयर होस्टेस के साथ रेप किया गया जिसकी एफ.आई.आर.14 अप्रैल को दर्ज की गई। इन घिनौने और हिंसक कृत्यों पर किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी और न ही सोशल मीडिया पर महिलाओं के खौफ में होने संबंधी कोई मीम बनाया गया। क्योंकि अब महिलाओं ने डरना बंद कर दिया है उनके पास कभी डरने की सहूलियत भी तो नहीं रही। अगर वे डरती तो घर वाले स्कूल,कॉलेज और दफ्तर जाना बंद करवा देते और कैद कर देते घर की चहारदीवारी में, हजारों सालों से डरते डरते उन्होंने अब डर के साथ रहने की आदत डाल ली है। लड़कियां अब नहीं डरती, पहले जब डरती थी तब भी सार्वजनिक और निजी दोनों स्थानों पर छुई गई,मारी गयी, पकाई गई,जलाई गई,काटी गई,अन्य प्रकारों से प्रताड़ित की गई इन सभी कृत्यों और हिंसा की उन्होंने आदत डाल ली और ब्लात्कार होना तो सामान्य सी बात है हमारे देश में। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार प्रतिदिन 120 रेप केस दर्ज किए जाते और कई केस तो सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण दर्ज ही नहीं करवाए जाते हैं। मथुरा कांड से लेकर आर.जी.कर कॉलेज की बलात्कार की हिंसक घटनाओं और न्याय के लिए संघर्ष के फलस्वरूप बने सख्त कानूनों को भी देखा जा सकता है लेकिन उनसे बहुत फर्क पड़ता समाज में दिखाई नहीं देता है। भारतीय समाज व्यवस्था में महिलाओं की समानता,स्वतंत्रता,न्याय के अधिकार और उनके प्रति संवेदनशीलता के इर्द गिर्द कई सारे सवाल आज भी मौजूद है जिन पर विमर्श की लगातार दरकार है।

एक ही रात में लाखों की अवैध शराब जब्त, एक गिरफ्तार, दो फरार

शराब सहित लग्जरी वाहन एवं लोडिंग ऑटो को किया जब्त

बैतूल/शाहपुर। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैतूल के निर्देश पर अवैध शराब के विरुद्ध पूरे जिले में अभियान चलाकर कठोर कार्यवाही की जा रही है। इसी अभियान के तहत जिले की शाहपुर पुलिस ने अवैध शराब के परिवहन और स्टॉक को लेकर बड़ी कार्रवाही की है। पहले मामले में जहां शाहपुर पुलिस ने 305.520 लीटर अवैध शराब एवं एक लग्ज़री वाहन जब्त किया है, वहीं पाथाखेड़ा, चोपना और बैतूलबाजार पुलिस ने भी अवैध शराब के खिलाफ बडी कार्रवाही की है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार शाहपुर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी फरार हो गए हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी शाहपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन झारिया के निर्देशानुसार एक टीम गठित कर ग्राम बरेठा तिराहा के आगे सारणी-घोड़ाडोंगरी रोड स्थित हनुमान मंदिर के सामने संदिग्ध वाहनों की सघन निगरानी शुरू की गई। रात्रि करीब 11.30 बजे कत्थई रंग की टाटा सफारी स्ट्रॉम (क्रमांक एमपी 07 सीडी 1008) आती दिखाई दी, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर वाहन में सवार तीन में से दो व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग निकले, जबकि एक व्यक्ति को मौके पर पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम प्रमोद राजपूत पिता भंवरसिंह राजपूत निवासी पथरोटा थाना पथरोटा जिला नर्मदापुरम् बताया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी एवं देशी शराब पाई गई, जिसके बारे में आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने कार्रवाई में 305.520 लीटर अवैध शराब एवं एक लग्ज़री वाहन जब्त कर कुल 15,66,920 रुपये मूल्य का मशरूका बरामद किया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

चोपना पुलिस ने ग्राम दुलारा में पकड़ी अंग्रेजी शराब – चोपना पुलिस ने भी अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चोपना पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम दुलारा में अवैध शराब रखी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। चोपना पुलिस ने यहां से कुल 26 पेटी अवैध शराब जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में विधिवत कार्रवाई की है।

अवैध शराब तस्करी में एक आरोपी गिरफ्तार, 59 लीटर शराब सहित ऑटो जब्त

सारणी। पाथाखेड़ा पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के एक मामले में प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी रघुवीर सलाम पिता मुन्ना सलाम निवासी अडमाढाना, देशावाड़ी, तहसील शाहपुर को पकडकर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब एवं एक लोडिंग ऑटो वाहन जप्त किया गया। पुलिस ने रात्रि करीब 1.20 बजे तवा-01 कोयला खदान के पास पाथाखेड़ा क्षेत्र में दबिश दी, जहाँ आरोपी के कब्जे से 6 पेटी अंग्रेजी शराब (गोवा ब्रांड) प्रत्येक पेटी में 48 क्वार्टर, कुल मात्रा 51.84 लीटर, अनुमानित मूल्य 36,864 एवं 1 पेटी अंग्रेजी शराब (ऑफिसर्स ज्वाइंस ब्रांड) कुल मात्रा 7.2 लीटर, अनुमानित मूल्य 5,600 और लोडिंग ऑटो वाहन (अशोक लीलैंड कंपनी) अनुमानित मूल्य 6,00,000 जप्त की गई। पुलिस द्वारा जप्त शराब सहित कुल मशरूका 6,42,464 का है। उक्त आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत विधिवत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

बैतूलबाजार पुलिस द्वारा भारी मात्रा में अवैध कच्ची महुआ शराब जप्त, एक आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। थाना बैतूल बाजार पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एसडीओपी बैतूल के मार्गदर्शन में सोमवार 19.05.2025 को अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की। गश्त के दौरान पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कृषि महाविद्यालय के सामने मिलानपुर जोड़ के पास एक व्यक्ति लाल रंग की स्कूटी में भारी मात्रा में अवैध कच्ची महुआ शराब बिक्री की नीयत से रखे हुए है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा पंचान व स्टाफ के साथ बताए गए स्थान पर पहुंचकर एक व्यक्ति को स्कूटी के पास खड़ा पाया गया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकडने पर उसने अपना नाम शैलेन्द्र उर्फ महेन्द्र सिंह पिता मन्नू सिंह ठाकुर, उम्र 38 वर्ष, निवासी ढीमर मोहल्ला रामनगर गंज, बैतूल बताया। आरोपी के पास से लाल रंग की स्कूटी में रखी तीन पीली प्लास्टिक की केनों (प्रत्येक 15 लीटर की) तथा एक बोरी में 18 नग एक लीटर की प्लास्टिक की बोतलों में भरी हुई, इस प्रकार कुल 63 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 6300/- रुपए तथा स्कूटी जिसकी कीमत लगभग 25000/- रुपए है, जप्त की गई। उपस्थित पंचानों द्वारा उक्त अवैध तरल पदार्थ को चखकर एवं सूंघकर कच्ची महुआ शराब होना प्रमाणित किया गया। आरोपी का कृत्य मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत दंडनीय पाए जाने पर उसे मौके पर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस कार्यवाही में थाना बैतूल बाजार की निरीक्षक अंजना धुर्वे, सहा. उपनिरीक्षक संजय कलाम, प्रआ. अरुण डेहरिया, आरक्षक माखन पाल, मनोज कोलारे एवं चंपालाल की विशेष सराहनीय भूमिका रही।

मूर्ति का अपमान करने वाला आरोपी राकेश जख्मी, गिरफ्तार

● 14 आपराधिक मामले दर्ज, अवैध चाकू के साथ पकड़ा गया

बैतूल। सारणी पुलिस ने भगवान की मूर्ति का अपमान करने के मामले में फरार आरोपी राकेश जख्मी को गिरफ्तार कर लिया है। राकेश के खिलाफ पहले से 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 30 मार्च को फरियादी भोला यादव पिता लखनलाल यादव निवासी मोक्षधाम सारणी ने लिखित आवेदन दिया था कि लेफ्टी उर्फ सुनील, राकेश जख्मी और सुमित सिंदूर के द्वारा 29 मार्च 2025 को नशा करके वार्ड क्रमांक 01 स्थित श्मशान घाट में उत्पाद मचाया एवं श्मशान घाट में स्थित भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा की गोद में बैठकर उस कुकृत्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर स्टेटस के रूप में डाला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 196,299, 301, 302, 353(2) बीएनएस के तहत आरोपी लेफ्टी उर्फ सुनील, राकेश जख्मी और सुमित सिंदूर के विरूध्द अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान सुनिल उर्फ लेफ्टी पिता मुन्नालाल यादव निवासी बाजार मौहल्ला सारणी और सुमित सिदुंर पिता गुरेश सिंदुर निवासी सुपर एफ 1548 सारणी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जा चुका था, वहीं आरोपी राकेश जख्मी घटना दिनांक से फरार चल रहा था जिसे 18 मई को अवैध धाराधार चाकू के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के विरूध्द धारा 25 आर्म्स एक्ट एवं धारा 14 मध्य प्रदेश रा.सू.का का कायम कर विवेचना में लिया गया। इस कार्रवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक जयपाल इनवाती, उनि आशीष कुमरे, प्रआर श्रीराम उईके,आरक्षक राकेश करपे, नितिन यादव की सराहनीय भूमिका रही।

पिकअप वाहन से गौवंश बरामद कर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

बैतूल। बैतूलबाजार पुलिस ने पिकअप वाहन से गौवंश बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना के आधार पर पुलिस ने सफेद रंग की बोलेरो पिकअप वाहन (क्रमांक एमपी 48 जी 3585) को घेराबंदी कर रोकते हुए उसमें अवैध रूप से ले जाए जा रहे दो नग गौवंश को बरामद किया तथा मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उक्त वाहन बैतूल बाजार क्षेत्र से होकर परतवाड़ा कत्लखाने की ओर जा रहा था। वाहन को बारहवीं रोड की ओर जाते मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर रोका गया। जांच के दौरान वाहन के पिछले हिस्से में दो बैल भूखे-प्यासे एवं अमानवीय तरीके से बंधे हुए पाए गए। वाहन में सवार व्यक्तियों ने पूछताछ में अपना नाम संजय पिता नंदकिशोर बारसे एवं पंकज पिता महेश बारसे, दोनों निवासी ग्राम शोभापुर, थाना रानीपुर बताया। पुलिस द्वारा जब गौवंश से संबंधित दस्तावेज मांगे गए तो आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके और उन्होंने स्वीकार किया कि वे गौवंश को परतवाड़ा स्थित कत्लखाने ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धाराएं 4, 6, 9, 11 तथा पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(1)(घ) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। वहीं आरोपियों के कब्जे से अनुमानित 50,000 रुपये मूल्य के दो बैल एवं लगभग 2,50,000 रुपये मूल्य की बोलेरो पिकअप वाहन जप्त कर ली है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्रवाई में थाना बैतूल बाजार निरीक्षक अंजना धुर्वे, उप निरीक्षक उत्तम मस्तकार, प्रधान आरक्षक प्रकाश धुर्वे, आरक्षक माखन पाल एवं आरक्षक मनोज कोलारे की कार्यवाही सराहनीय रही।

मरामझिरी में मिला अज्ञात युवक का शव

● जानवरों ने नोंचा, औंधे मुंह पड़ी मिली लाश

बैतूल। बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र के मरामझिरी में एक खेत से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। शव को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत 4-5 दिन पहले हुई होगी। कोतवाली टीआई रविकांत डहरिया को दोपहर में क्षेत्र से आ रही बदबू की सूचना मिली। सूचना पर उप निरीक्षक अरुण यादव के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा। शव में कीड़े लगे हुए मिले हैं। जानवरों द्वारा मृतक के पैर को नोंचे जाने के निशान भी मिले हैं। निचले हिस्से में केवल अंडरगारमेंट है। शव औंधे मुंह पड़ा मिला है, जिससे शिनाख्त में कठिनाई हो रही है। घटनास्थल मरामझिरी अंडर ब्रिज के पास एक खेत में है। यह स्थान रेलवे लाइन से लगभग 90 फीट दूरी पर है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम को बुलाया जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

शासकीय बगडोना कॉलेज में सिक्यूरिटी गार्ड की निविदा में अनियमितता का आरोप, कलेक्टर से की शिकायत

बैतूल। शासकीय बगडोना कॉलेज में निकाली गई सिक्यूरिटी गार्ड की निविदा में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत मंगलवार को एडी सेफ्टी स्क्वाड प्राइवेट लिमिटेड ने कलेक्टर से की है। आवेदन के माध्यम से एडी सेफ्टी स्क्वाड प्राइवेट लिमिटेड बैतूल डायरेक्टर नरेश मालवीय ने बताया कि गवर्मेंट कॉलेज सारणी में सिक्यूरिटी गार्ड की निविदा निकालने के बाद 19 मई 2025 को ऑफलाइन निविदा भरी गई थी। कॉलेज जनभागीदारी समिति द्वारा बिना कंपनी फर्म के निविदाकारों को आमंत्रित कर बगैर लिफाफे खोले गए है। जिसमें मानदेय लिखा गया था। वहीं भारी अनियमितता होने की संभावना है। आवेदन निविदा को निरस्त करवाकर दोबारा आमंत्रित किए जाने और निविदा को खोलने से पहले निविदाकारों को आमंत्रित किए जाने की मांग की है, ताकि निविदा सही पारदर्शिता के साथ संपन्न हो सके।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने किराना दुकान से लिए सेम्पल

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की सघन जांच एवं नमूने लिए जाने की कार्रवाई की जा रही है। अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में खाद्य पदार्थ विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप पाटिल द्वारा अमला स्थित लच्छू मंसाराम अनाज भंडार से शक्कर, मैदा व साबूदाने के नमूने लिए गए तथा अल्फी किराना से सौंफ एवं सुपारी के नमूने लिए गए। लिए गए सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। यह करवाई सतत जारी रहेगी।

सेलूढाना-चौकी बीट के बीच मिला तेंदुए का शव

जांच में जुटा वन महकमा

बैतूल। दक्षिण वन मंडल सामान्य के ताप्ती वन परिक्षेत्र के अंतर्गत एक तेंदुए का शव मिलने से वन महकमें में हडकम्प मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेदुएं का शव सेलूढाना और चौकी बीट के बीच मंगलवार दोपहर में लालबर्रा स्थान पर पड़े होने की सूचना वन विभाग को मुखबिर के माध्यम से मिली थी। सूचना मिलते ही वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरु की। तेंदुए की मौत कैसे हुई यह जांच की जा रही है। परिक्षेत्र अधिकारी दयानंद डहरिया ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर वन विभाग की टीम पहुंच गई थी। जांच के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। समाचार लिखे जाने तक तेंदुए का शव जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय पहुंचाने संबंधी कार्रवाई जारी थी।

गैरकानूनी तरीके से बनाए जा रहे बीपीएल कार्ड, अटल सेना ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। अटल सेना के तत्वावधान में गैरकानूनी तरीके से बनाए जा रहे बीपीएल कार्ड पर रोक लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में संगठन के प्रांताध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान (केन्डु बाबा) ने बताया कि गैर कानूनी तरीके से बन रहे राशन कार्ड पर पूर्व में भी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हो रही है और यह रैकेट बड़े स्तर पर फैला हुआ है। केंडू बाबा ने बताया कि नगर पालिका बैतूल के क्षेत्र में गैरकानूनी तरीके से फर्जी बीपीएल कार्ड बनाने का धंधा जोरो पर खुलेआम चल रहा है। जिसमें एपीएल कार्डधारकों की समग्र आईडी को बीपीएल से सत्यापित कर फर्जी बीपीएल क्रमांक दर्ज कर फूड कूपन के लिए नगर पालिका या खाद्य विभाग में लगाया जा रहा है। केन्डु बाबा ने बताया कि 45 दिनों में ही कूपन जारी हो जाता है। जबकि नागरिक आपूर्ति निगम बैतूल से प्राप्त जानकारी के अनुसार सन् 2022 से दिसम्बर 2024 तक 287 बीपीएल कार्ड के कूपन जारी हुए हैं। अनुविभागीय कार्यालय बैतूल से प्राप्त जानकारी के अनुसार सन् 2022 से दिसम्बर 2024 तक नगर पालिका बैतूल को 24 बीपीएल कार्ड बनाने के आदेश जारी किए गए थे। श्री चौहान ने मांग की है कि गैरकानूनी तरीके से बनाए जा रहे बीपीएल कार्ड पर रोक लगाई जाए और जो इस दौरान बने हैं उन्हें निरस्त किया जाए एवं इससे लिप्त लोगों पर दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

विवादित भूमि पर हुए कब्जे को हटाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

नायब तहसीलदार मुलताई के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के दिए निर्देश

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण तत्काल किया। जनसुनवाई के दौरान सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में कुल 140 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में गंभीरतापूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि एक ही शिकायत के निराकरण के लिए आवेदकों को बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम दुनावा निवासी अमित सूर्यवंशी की आधिपत्य की भूमि का नक्शा अनावेदकों द्वारा त्रुटि पूर्ण दर्ज किए जाने और नायब तहसीलदार दुनावा द्वारा उचित निराकरण नहीं किए जाने की शिकायत पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुलताई के नायब तहसीलदार के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा ग्राम हर्रावाडी निवासी आवेदिका रतनी ने बताया कि आदेश के बाद भी पटवारी द्वारा रजिस्ट्री में दर्ज भूमि को अन्यत्र सीमांकन बताया जा रहा है। आवेदिका ने सीमांकन मशीन से कराए जाने की मांग की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार और आरआई को मौके पर जाकर प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

मकान निर्माण की अनुमति प्रदान करने की मांग – जनसुनवाई में बैतूल मुख्यालय के आजाद वार्ड निवासी नफीसा बी ने आवेदन के माध्यम से मकान निर्माण की अनुमति प्रदान किए जाने की मांग की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नगर पालिका सीएमओ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल के ग्राम सराड़ निवासी कमलती धुर्वे ने आवेदन के माध्यम से अनावेदकों द्वारा घर पर जबरन ताला लगाए जाने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैतूल को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। घोड़ाडोंगरी निवासी उषा सातनकर ने आवेदन के माध्यम से उनकी निजी भूमि पर से 11 केव्ही विद्युत लाइन नहीं डालने की गुहार लगाई। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एमपीईबी के अधिकारी को प्रकरण का उचित निराकरण के निर्देश दिए।

ट्यूबवेल कनेक्शन खेत में दिए जाने की लगाई गुहार –जनसुनवाई में चिचोली तहसील के ग्राम पाथाखेड़ा निवासी रामाधार आर्य ने ट्यूबवेल कनेक्शन खेत में करवाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। मुलताई तहसील के घाट पिपरिया निवासी नारायण ने जनसुनवाई में आवेदन देकर बैंक से लोन दिए जाने तथा दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने की गुहार लगाई। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा एलडीएम को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। मुलताई तहसील के ग्राम चिचंडा निवासी सविता शिवहरे ने अनावेदकों द्वारा प्लाट पर जबरन कब्जा किये जाने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण की जांच करने और शिकायत उचित पाए जाने पर कब्जा दिलाए जाने के निर्देश दिए।

भूमि पर हुए अवैध कब्जे को हटाने के दिए निर्देश – जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम अंबाड़ा निवासी जितेंद्र सोलंकी ने आवेदन के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनपद सीईओ आवेदक की पात्रता की जांच कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। मुलताई तहसील के ग्राम गौना निवासी अनिल खाकरे ने विवादित भूमि पर हुए कब्जे की शिकायत कर कब्जे को हटाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत भड़ूस से केदारनाथ धाम के लिए जत्था रवाना

बैतूल। क्षेत्र की उन्नति की कामना को लेकर ग्राम पंचायत भड़ूस से श्रद्धालुओं का जत्था केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर सोमवार की रात्रि 11 बजे रेलवे स्टेशन पर जनपद पंचायत सदस्य अकलेश वाघमारे, ओमकार वाघमारे, राहुल वाघमारे, निखिल पॉवर और महेश पाटिल ने केदारनाथ धाम यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को पुष्प माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। जनपद पंचायत सदस्य श्री वाघमारे ने बताया कि यह जत्था बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए बैतूल रेलवे स्टेशन से रात्रि 11 बजे रवाना हुआ। यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालु बाबा केदारनाथ से क्षेत्र की उन्नति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। इस यात्रा के लिए सभी श्रद्धालु अत्यंत उत्साहित हैं और उनकी श्रद्धा और भक्ति इस यात्रा के माध्यम से बाबा केदारनाथ तक पहुंचेगी। केदारनाथ धाम यात्रा में निशांत बर्दे, कार्तिक बचले, राहुल पवार, राजा अमझरे, सेवाक्रम अमझरे, संतोष खडय़ि, सचिन अमझरे, राहुल खडय़ि, महादेव सेंद्रे, नीलेश पाटील, सूरज मानकर, धनराज मनकर, राहुल अमझरे, महेश पाटिल, निखिल राजपूत और गौरव ताइवाडे श्रद्धालु शामिल हैं।

मालेगांव में जल स्रोतों के संरक्षण की गतिविधियां आयोजित

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देशन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम मालेगांव में जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर विशेष पहल की गई। परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी एवं विकासखंड समन्वयक विकास कुमरे के मार्गदर्शन में ग्राम मालेगांव में स्थित एक पुराने कुएं की साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें ग्राम वासियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में ग्रामीण जन, जनप्रतिनिधि, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मालेगांव के सदस्य, सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता श्रीमती सत्यादेवी लोखंडे, शिवचरण बावने, सोहन सिंह काकोडिय़ा, सरावन मन्नासे सहित स्थानीय विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण हेतु सामूहिक संकल्प लिया और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई। यह पहल ग्राम वासियों में जल स्रोतों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सामुदायिक सहभागिता से जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

जे.एच. कॉलेज में एलएलबी की प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (जे.एच. कॉलेज) में एलएलबी पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। आवेदक रवि शंकर शुक्ला एवं सुभाष पवार ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि बैतूल जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में निर्धन विद्यार्थी कानून की पढ़ाई करना चाहते हैं, लेकिन जिले में एलएलबी की पढ़ाई के लिए कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है। जे.एच. कॉलेज में यह सुविधा शुरू होने से ऐसे विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा और उन्हें बाहर जाकर आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। रवि शंकर शुक्ला और सुभाष पवार ने अपने निवेदन में कहा कि जिले में पहले से ही एलएलबी की मांग लगातार बढ़ रही है। यदि शीघ्र प्रवेश प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो विद्यार्थियों का एक और शैक्षणिक सत्र खराब हो सकता है। उन्होंने आग्रह किया कि छात्रहित को ध्यान में रखते हुए एलएलबी की प्रवेश प्रक्रिया इस वर्ष से ही प्रारंभ की जाए।

रोजगार मेले में 33 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

बैतूल। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में 20 मई को युवा संगम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में किया गया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस रोजगार मेले में कुल 101 आवेदकों ने पंजीयन कराया था जिसमें 08 कंपनियों के द्वारा 33 आवेदकों का प्राथमिक रूप से चयन कर 8 को लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान किए गए। रोजगार मेले में हेमंत रावत, धर्मेन्द्र सिंह परिहार एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकसित मध्यप्रदेश @ 2047 दृष्टिपत्र पर मंत्रि-परिषद का मंथन

● सकल घरेलू उत्पाद को 15.03 लाख करोड़ से बढ़ाकर 250 लाख करोड़ (2 ट्रिलियन डॉलर) करने का लक्ष्य ● प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को एक लाख 60 हजार रूपये से बढ़ाकर 22 लाख रूपये के होंगे प्रयास ● विभागीय प्रगति की डिजिटल ट्रेकिंग एवं लाइव डैशबोर्ड का होगा निर्माण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती वर्ष पर राजवाड़ा इंदौर में विकसित मध्यप्रदेश @2047 दृष्टिपत्र पर मंत्रि-परिषद ने मंथन किया। लोकमाता देवी अहिल्याबाई के आदर्शों और मूल्यों अनुरूप विकसित मध्यप्रदेश बनाने के लक्ष्यों और प्रक्रिया पर सदस्यों की विस्तृत चर्चा हुई। वर्ष 2047 तक प्रदेश का समेकित विकास करते हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को 15.03 लाख करोड़ से बढ़ाकर 250 लाख करोड़ (2 ट्रिलियन डॉलर) करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को एक लाख 60 हजार रूपये से बढ़ाकर 22 लाख रूपये करने का भी लक्ष्य रखा गया है। अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि दृष्टि पत्र में वर्ष 2047 में एक समृद्ध मध्यप्रदेश की परिकल्पना की गयी है जो कि सभी के सामूहिक प्रयासों से संपन्न, सुखद और सांस्कृतिक मध्यप्रदेश की नींव पर निर्मित होगा। इस प्रकार वर्ष 2047 का मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणा मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के अनुसरण से निर्मित होगा। मध्यप्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने एवं प्रदेश के समग्र सामाजिक आर्थिक विकास के उद्देश्य से हितधारक परामर्श एवं जन सहयोग से विकसित मध्यप्रदेश @2047

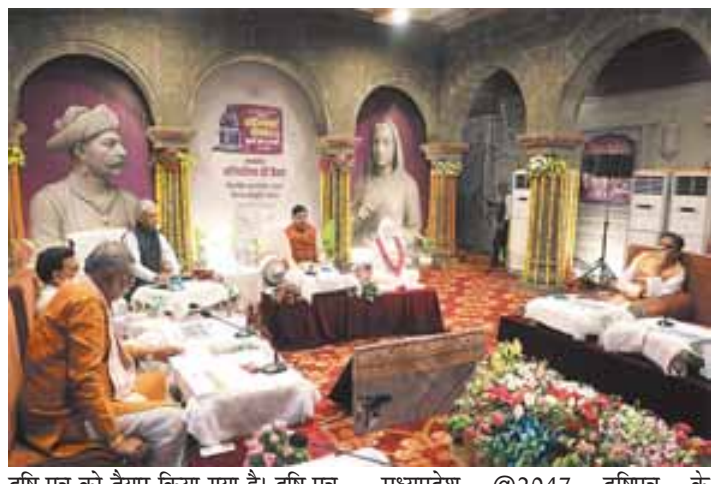

दृष्टि पत्र को तैयार किया गया है। दृष्टि पत्र को धरातल पर वास्तविक रूप से साकार करने के लिए रोडमैप का मंत्रि-परिषद के सदस्यों के समक्ष सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन दिया। दृष्टि पत्र में वर्ष 2047 में अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों के बारे में विस्तृत रूप से मंत्रि-परिषद के सदस्यों को अवगत कराया गया। 8 थीमैटिक ग्रुप्स में उद्योग, कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्र तथा वनोत्पाद, सेवाएं और अधोसंरचना एवं नगरीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन एवं नागरिक सेवाओं का प्रदाय और वित्तीय नियोजन एवं संवर्धन पर प्रेजेंटेशन दिया गया। मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मंत्रि-परिषद के सदस्यों को बताया गया कि मध्यप्रदेश @2047 दृष्टिपत्र के क्रियान्वयन के लिए उच्च स्तरीय क्रियान्वयन समिति का गठन किया जायेगा। राज्य के सभी विभागों की योजनाओं, लक्ष्यों एवं कार्य बिंदुओं की डिजिटल ट्रैकिंग की जाएगी। साथ ही लाइव डैशबोर्ड भी बनाया जाएगा।

शत-प्रतिशत साक्षरता, नवकरणीय ऊर्जा को 75 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य - मध्यप्रदेश @2047 दृष्टिपत्र अनुसार वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। सकल घरेलू उत्पाद में कृषि 43 प्रतिशत, सेवाएं 36 और उद्योग 21 प्रतिशत योगदान देते हैं। वर्ष @2047 तक उद्योगों और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देकर, रोजगार के अवसर सृजित कर अर्थव्यवस्था को संतुलित करते हुए जीडीपी में कृषि का योगदान 24-28 प्रतिशत, उद्योग का योगदान 21-25 प्रतिशत और सेवाओं का योगदान 49-53 प्रतिशत तक लाने का प्रयास किया जायेगा। सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य करते हुए प्रति व्यक्ति औसत आयु को 67.4 वर्ष से बढ़ाकर वर्ष @2047 तक 84 वर्ष से अधिक करने का लक्ष्य रखा गया। साथ ही साक्षरता दर को 75.2 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष @2047 तक 100 प्रतिशत करने का प्रयास किया जाएगा। ऊर्जा के क्षेत्र में कुल ऊर्जा स्त्रोत में नवकरणीय ऊर्जा का प्रतिशत 22.5 से बढ़ाकर 75 प्रतिशत से अधिक किया जाएगा।

मध्यप्रदेश @2047 दृष्टि पत्र के निर्माण का कालक्रम -देश के 75 वें स्वतंत्रता दिवस भाषण में, प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने का प्रयास किये जाने का आह्वान किया गया था। इसे साकार करने के लिए विकसित मध्यप्रदेश @2047 दृष्टि पत्र बनाने का निर्णय लिया गया था। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में मध्यप्रदेश के योगदान को सुनिश्चित करने, मध्यप्रदेश संकल्प पत्र-2023% के लक्ष्यों की पूर्ति करने एवं राज्य के समग्र विकास को दिशा देने के लिए विकसित मध्यप्रदेश @2047 दृष्टिपत्र तैयार किया गया। विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने में अप्रैल 2024 में नीति आयोग, भारत सरकार से प्रारम्भिक चर्चा की गयी। माह मई से सितम्बर 2024 के मध्य अपर मुख्य सचिव / प्रमुख सचिव/ सचिव स्तर के 8 थीमेटिक समूहों में व्यापक परिचर्चा के बाद विकसित भारत @2047 के लिए मध्यप्रदेश के सुझाव और अभिमत नीति आयोग को प्रेषित किये गए। नवंबर 2024 में सीईओ नीति आयोग एवं मुख्य सचिव की अध्यक्षता में भोपाल में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में लिए गए निर्णय अनुसार और नीति आयोग के मार्गदर्शन में राज्य स्तर पर व्यापक विचार-विमर्श प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इसमें जनप्रतिनिधियों के सुझाव, विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा, जिलों में जनसंवाद कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिता, नागरिक सर्वेक्षण, उद्योग संगठनों के साथ चर्चा, शिक्षाविदों के साथ चर्चा और फील्ड विजिट शामिल रही। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार समिति गठित की गई, जिसके मार्गदर्शन में 8 थीमैटिक ग्रुप्स का गठन किया गया। 8 थीमैटिक ग्रुप्स में उद्योग, कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्र तथा वनोत्पाद, सेवाएं, अधोसंरचना एवं नगरीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन एवं नागरिक सेवाएं प्रदाय और वित्तीय नियोजन एवं संवर्धन को शामिल किया गया। प्रत्येक ग्रुप द्वारा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की सहभागिता और अन्य हितधारकों के सुझावों का समावेशन सुनिश्चित करते हुए दृष्टि पत्र तैयार किया गया है।

नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के तहत पुलिस थाने में संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी

सुबह सवेरे सोहागपुर । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र छात्राओं को इंटर्नशिप के माध्यम से विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले ने सोहागपुर पुलिस थाने का भ्रमण कराया कर पुलिस थाने में संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रदान कराई गई। इस अवसर पर नगर निरीक्षक कंचनसिंह के निर्देश पर प्रकाश सिंह चौहान एवं महिला आरक्षक ने छात्र ,छात्राओं के समूह को थाने का भ्रमण कराया। इसी अवसर पर प्रकाश सिंह चौहान एवं महिला आरक्षक ने समझाया कि किस प्रकार रिपोर्ट लिखी जाती है। रिपोर्ट कितने प्रकार की होती हैं के अलावा बाल अपराध, महिला अपराध, साइबर क्राइम, डायल 100, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, एवं सोशल मीडिया की जानकारी दी गई। आपने आगे समझाया कि इससे कैसे बचा जाए। महिला आरक्षक ने महिलाओं के साथ होने वाले अपराध को किस तरह से गोपीनीय रखा जाता है। इसी क्रम में डायल 100 के प्रक्रिया , सेल्फ डिफेंस के अलावा थाने में किस प्रकार से काउंसलिंग पर ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई।छात्रों ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न किया कि यदि कहीं दुर्घटना घटित हो होती है लेकिन नागरिक दुर्घटना को देखकर मुंह फेर के चले जाते हैं ।यदि कोई उसे अस्पताल पहुंचा देता है तो। क्या उसे थाना में पुलिस द्वारा बार-बार परेशान किया जाता है ऐसा क्यों ? जिसके जवाब में बताया कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है । इसी माध्यम से पूछताछ की जाती है। ना कि उस पर अपराध दर्ज किया जाता है ।

किन्तु वर्तमान में किसी व्यक्ति को घायल होने पर अस्पताल पहुंचाने पर घायल व्यक्ति का पहले इलाज होगा।अंत में पुलिसकर्मियों ने छात्र छात्राओं को वाहन चलाते समय हेल्मेट एवं सीट बेल्ट अवश्य पहनने का आग्रह किया ।छात्र छात्राओं की जिज्ञासा को देखकर प्रकाश सिंह चौहान एवं महिला आरक्षक ने कहा कि पुलिस में भर्ती होने के लिए कड़ी मेहनत करें। हम आप लोगों को हमारा सहयोग रहेगा।इसी अवसर पर थाना प्रभारी कंचनसिंह ने छात्र छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर भी सहजता से दिए। इस अवसर पर गजेंद्र ठाकुर, श्याम सिंह मीणा, सचिन विश्वकर्मा, मंजू पवार, निशा चौरसिया नवांकुर के संदेश मिश्रा , सिद्धू परसाई आदि उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ जल गंगा अभियान की समीक्षा करके ग्राम पंचायतों के कार्यो का किया निरीक्षण

सुबह सवेरे सोहागपुर । जल गंगा अभियान अंतर्गत मनरेगा योजना के कार्यो खेत तालाब, कूप रिर्चाज एवं अमृत सरोवर की लक्ष्य अनुसार स्वीकृतियां जारी की जाएं । यह भी ध्यान रखा जाए कि स्वीकृत सभी कार्य तत्काल प्रारंभ हो। उक्त निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम प्रतीक राव ने विगत दिनों जनपद पंचायत सोहागपुर में आयोजित बैठक में दिए । उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत सीईओ प्रतीक राव ने जनपद सोहागपुर में पिपरिया एवं सोहागपुर जनपद पंचायत के सहायक यंत्री उपयंत्री की ग्राम पंचायत वार प्रगति की समीक्षा की । इसके साथ अन्य जनपद पंचायतों के सीईओ जनपद पंचायत एवं कर्मचारियों के साथ वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़कर समीक्षा की गई । जिला पंचायत सीईओ प्रतीक राव ने निर्देश दिए हैं कि जल गंगा संवर्धन अभियान में किसी भी तरह की लापरवाही न की जाए । वहीं गुणवत्तापूर्ण कार्य किए जाए। ग्राम पंचायतों में चौपाल आयोजित कर खेत तालाब के लाभ से ग्रामीणों को अवगत कराके , नवीन खेत तालाब की स्वीकृतियां तत्काल जारी करके ग्रामीणों लाभ पहुंचाए।अमृत सरोवर स्वीकृति हेतु सभी जनपद पंचायतों को निर्देश देकर कहा कि तकनीकी अमले को फील्ड में भेजकर नवीन स्थलों का 02 दिवस में चयन किया जाए । मनरेगा योजना अंतर्गत पुराने प्रगतिरत जल संवर्धन कार्यो की पूर्णता एवं व्यय की समीक्षा भी की गई। निर्देश दिए गए कि उक्त कार्यो पर लगातार मस्टर जारी करवाकर श्रमिक संलग्न किए जाए। कार्यो पर मूल्यांकन अनुसार जो लंबित सामग्री राशि है ।उसके लिए 02 दिवस में बिलो की एंट्री मनरेगा पोर्टल पर कराया जाना सुनिश्चित की जाए। बैठक के उपरांत सीईओ जिला पंचायत प्रतीक राव ने सोहागपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर खेत तालाब व कूप रिर्चाज के कार्यो का निरीक्षण किया करके निर्देश दिए गए कि कार्यो को समय अवधि में गुणवत्तापूर्ण पूर्ण किया जाए। आपने ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को खेत तालाब की उपयोगिता एवं महत्व पर सारगर्भित उल्लेख किया ।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री विश्वास कैलाश सारंग एक दिवसीय बैतूल प्रवास पर

बैतूल। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री विश्वास कैलाश सारंग आज 21 मई 2025 को एक दिवसीय बैतूल प्रवास पर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंत्री श्री सारंग बुधवार को प्रातः 8 बजे भोपाल से बैतूल के लिए रवाना होंगे। प्रातः 11 बजे बैतूल आगमन के पश्चात मंत्री श्री सारंग मुलताई तहसील के ग्राम सोपाई में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे मंत्री श्री सारंग बैतूल से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

सीएमएचओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेड़ी सांवलीगढ़ का किया निरीक्षण

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजेश परिहार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेडी सावंलीगढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों, फार्मासिस्ट, डेऊसर एवं अन्य स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी ली। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ केदार सिंह जाटव से अस्पतालों में निर्धारित समयावधि में चिकित्सकों एवं स्टाफ समय पर मौजूद रहने के लिए निर्देशित किया ताकि आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से प्राप्त हो सके।

राज्यपाल पटेल 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों, संस्थाओं को करेंगे सम्मानित

● 'स्वस्थ यकृत मिशन' का करेंगे शुभारंभ ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल बुधवार को सांदीपनि सभागार, राजभवन, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों, संस्थाओं को सम्मानित करेंगे। साथ ही प्रदेशव्यापी 'स्वस्थ यकृत मिशन' का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और पद्म भूषण डॉ. शिव कुमार सरीन, निदेशक, इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, नई दिल्ली भी कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे, जो कि 'स्वस्थ यकृत मिशन' का शुभारंभ करने के उपरांत जिलाधिकारियों को प्रशिक्षित भी करेंगे।

मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को जनभागीदारी से मजबूत करने एवं जन-जागरूकता के माध्यम से गंभीर रोगों की रोकथाम के लिए प्रदेश शासन द्वारा लगातार अभिनव पहलें की जा रही हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान की सफलता के उपलक्ष में सम्मान समारोह तथा स्वस्थ यकृत मिशन के राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान में प्रदेश भर में क्षय (टीबी) रोग की पहचान, उपचार और जन-जागरूकता हेतु विशेष शिविर लगाए गए। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग, स्वैच्छिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिक समाज के सामूहिक प्रयास से लाखों नागरिकों को जांच एवं परामर्श की सुविधा मिली। सम्मान समारोह में अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जिलों, स्वास्थ्य अधिकारियों, कर्मियों, स्वयंसेवकों और संगठनों को सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर 'स्वस्थ यकृत मिशन' की भी औपचारिक शुरुआत की जाएगी। यह मिशन राज्य सरकार की एक नई पहल है, जिसका उद्देश्य हेपेटाइटिस बी/सी, फैटी लिवर, सिरोसिस जैसी यकृत संबंधी बीमारियों के प्रति जन-जागरूकता, शीघ्र पहचान, उपचार तथा रोकथाम सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य विभाग इस मिशन के तहत प्रदेशभर में स्क्रीनिंग शिविर, प्रशिक्षण, परामर्श एवं निःशुल्क दवा वितरण की व्यवस्था करेगा। यह मिशन प्रदेश में यकृत स्वास्थ्य को लेकर एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सक, विशेषज्ञ, जिलों के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन एवं विभिन्न हेल्थ पार्टनर्स उपस्थित रहेंगे।

जैन युवा संघ ने करवाया 26 यूनिट रक्तदान

बैतूल। जिला चिकित्सालय के रक्त विभाग से जैसे ही रक्त की कमी की जानकारी जैन युवा संघ के पदाधिकारियों को दी गई, वैसे ही उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्परता दिखाई। संघ के पदाधिकारी विनीत गोठी और प्रणय मरोठी को अस्पताल से फोन पर रक्त की कमी की सूचना दी गई थी। उन्होंने इसे जीवनदायिनी जिम्मेदारी के रूप में लिया और कुछ ही घंटों के भीतर 26 लोगों से रक्तदान करवाकर रक्त की जरूरत को पूरा कर दिया। इस पुनीत कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। रक्तदान करने वालों में विशाल लोहाड़िया, प्रतिभा लोहाडयि़ा, अरुण गोठी, साधना गोठी, मुकेश गोठी, यश गोठी, तेजल गोठी, विनीत गोठी, रामशंकर गाडगे और सिद्धार्थ गोठी का नाम शामिल है। इस विशेष रक्तदान में तनीषा जैन, कुशल मेहता और कवि वाघमारे ने पहली बार रक्तदान कर नई मिसाल पेश की। जैन समाज द्वारा आयोजित यह रक्तदान शिविर मोती ज्वेलर्स के सामने लगाया गया था। जैन समाज के लोगों ने रक्तदाताओं को बधाई दी और उनके इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य सतीश पारख ने बताया कि आज 21 मई को बोथरा क्लाथ के सामने शिविर लगाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि बैतूल जिला चिकित्सालय में लगभग हर जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त मिल जाता है और इसका श्रेय जिले के सभी समाजों की जागरूकता और सहयोग को जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि रक्तदान ही जीवन है और समय पर रक्तदान करके हम कई अनजाने लोगों की जान बचा सकते हैं।

ग्राम रोढ़ा में आयोजित हुई जल जागरूकता संगोष्ठी

ग्रामीणों ने लिया जल बचाने का संकल्प

बैतूल। मध्य प्रदेश जल गंगा संवर्धन महा अभियान के अंतर्गत बैतूल ब्लॉक के ग्राम रोंढा में जल संरचनाओं के संरक्षण, स्वच्छता और उनके महत्व को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन गांव के तालाब के पास स्थित पानी की टंकी के समीप सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद बैतूल के परामर्शदाता सुनील पवार, भूपेंद्र पवार, आशीष कोकने, ग्राम पंचायत उपसरपंच प्रदीप डिगरसे, योगेश चंद्र देशमुख तथा अशोक बारंगे की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत जल संगोष्ठी से हुई, जिसमें परामर्शदाता भूपेंद्र पवार ने ग्रामीणों को निर्जीव पड़े जल स्रोतों के पुनर्भरण, स्वच्छता और उन्हें पुन- उपयोग के लायक बनाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जमीनी जल स्तर को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है, जिससे भविष्य में गांव को जल संकट का सामना न करना पड़े। उनके विचारों को ग्रामीणों ने बड़े ध्यान और उत्साह से सुना और उन पर अमल करने का वचन भी लिया। ग्राम के वरिष्ठ नागरिक अशोक बारंगे और उपसरपंच प्रदीप डिगरसे ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रामवासियों से सप्ताह में एक दिन ग्राम के हित में सेवा देने का आग्रह किया। उन्होंने स्वयं इस पहल की शुरुआत करने की बात कही ताकि रोंढा गांव जल संकट से सदैव मुक्त रहे। जनअभियान परिषद के परामर्शदाता आशीष कोकने ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के दीर्घकालीन फायदों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब जिले के कई गांव और कस्बे पानी की किल्लत से जूझ रहे होंगे, तब रोंढा गांव के लोग अपने छोटे-छोटे प्रयासों से जल संकट से बचे रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज के ये छोटे प्रयास आने वाले समय के लिए एक मजबूत आधार बनेंगे। इस अभियान में जनअभियान परिषद बैतूल के परामर्शदाता सुनील पवार, भूपेंद्र पवार, आशीष कोकने के साथ ग्राम पंचायत उपसरपंच प्रदीप डिगरसे, प्रियंका पवार, तुलसी मालवी और कृष्णा सिंह ने सक्रिय सहभागिता दी।

745 मरीजों ने करवाई जांच

स्व. श्रीमती स्नेहलता सोनी की स्मृति में विशाल निःशुल्क रोग निदान शिविर संपन्न

बैतूल। स्व. श्रीमती स्नेहलता सोनी की पुण्य स्मृति में होप एवं आयुष्मान हास्पिटल नागपुर तथा माँ शारदा सहायता समिति, बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार राधाकृष्ण धर्मशाला गंज में निःशुल्क विशाल रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 745 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। शिविर का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, नपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, स्व. श्रीमती स्नेहलता सोनी के पति केएल सोनी, दवा व्यवसायी मंजीत सिंह सहानी, समाजसेवी प्रमोद अग्रवाल, पूर्व नपाध्यक्ष आनंद प्रजापति, समाजसेवी संजय पप्पी शुक्ला, हिमांशु सोनी, शैलेन्द्र बिहारिया, निमिषा शुक्ला, तलिका पचौरी की उपस्थिति में किया गया। समिति के मीडिया प्रभारी संदीप सोलंकी ने जानकारी दी कि शिविर सुबह 10 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें बडी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लिया। अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे, जहाँ पर निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर में डॉ. बी. के. मुरली ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन नागपुर, डॉ. सचिन गाठिबाँधे जनरल फिजिशियन, डॉ. रसिका अकुलवार स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. अक्षय अकुलवार जनरल सर्जन, डॉ. सुब्रतो मंडल हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. चिराग चौकसे जनरल फिजिशियन, डॉ. स्वर्णा गुप्ता बांझपन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नंदिनी हिरानी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. पुष्पेंद्र अरोरा, डॉ. राहुल वर्मा, डॉ. अरुण जयसिंगपुरे, डॉ. सुमित मदरेले फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ, सेवा सदन से प्रशांत गुप्ता, एसडी कॉलेज देवगांव से लोकेश बारंगे ने मरीजों की जांच की।

ये संस्थाएं हुई सम्मानित - शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाली 30 से अधिक संस्थाओं का मंच पर सम्मान किया गया, जिनमें ताप्ती दर्शन, नेहरू युवा केन्द्र, पूर्व सैनिक संघ, औषधि विक्रेता कल्याण संघ, रेडक्रास सोसायटी, एनएसएस बैतूल, भारतीय मजदूर संघ, मध्यप्रदेश शिक्षक संघ, प्रदीपन संस्था, जिला उद्योग केन्द्र, प्रत्याशा फाऊण्डेशन बैतूल, अटल सेना, बैतूल, अग्रवाल समाज, अथर्व ओमकार वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी, माँ माचना दामादेव समिति, पर्यावरण संरक्षण समिति, बैतूल, 75 कदम बैतूल, गायत्री परिवार, बैतूल, आर्ट ऑफ लिविंग, बैतूल, पूज्य सिंधि पंचायत बैतूल, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत बैतूल, ब्राह्मण समाज, बैतूल, पंजाबी सेवा समिति शामिल है।

समाजसेवियों का हुआ सम्मान- दीपक सलूजा, आशीष पचौरी, राजू मालवीय, दीपा एवं निमिष मालवीय, कृष्णा चौधरी, अनंत तिवारी, मनोज तिवारी, सतेन्द्र नागले, संतोष ओमकार, घनश्याम राठौर, तुलिका पचौरी, श्रीमती शकुंतला पचौरी, नीलम दुबे, प्रदीपन संस्था, हेमा सिंह चौहान, मदनलाल डढोरे, संतोष दुबे, आनंद प्रजापति, धीरज हिराणी, मुकेश गुप्ता, पिंकी भाटिया, रमेश भाटिया, इंदी अहलूवालिया, अरुण जयसिंगपुरे, बबलू दुबे सहित अन्य का सम्मान किया गया। डॉ. उदय चकोटिया, मोहित गर्ग, सुमित मंदरे, घनश्याम मदान, पीसी सुराना, सुनील व धीरज हिराणी, हिमांशु, श्रुति, रितेश, प्रियंका, सुधीर, श्वेता सोनी, केंडू बाबा,रेखा गुजरे, कृष्णा अमरूते, सोनम मिश्रा, निर्मला सोनी, नीलम दुबे और हेमा सिंह चौहान सहित अन्य सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कोरकू समाज के भगत-भूमका पर आपत्तिजनक पोस्ट के विरोध में सौंपा ज्ञापन

बैतूल। कोरकू समाज के भगत-भूमका पर सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया है। इस मामले में समाज के प्रमुख लोगों ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार अनावेदक महादेव बारस्कर (बेठे) ने सोशल मीडिया पर कोरकू समाज के भगत-भूमकाओं को फर्जी और मनगढ़ंत जैसे शब्दों का उपयोग कर अपमानित किया है, जिससे समाज में आक्रोश

का माहौल बन गया है। समाज के लोगों का कहना है कि इससे समाज के युवाओं और सामाजिक संगठनों में रोष बढ़ रहा है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि महादेव बारस्कर पहले भी भ्रमित करने वाले पोस्ट सोशल मीडिया पर डाल चुके हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना को लेकर भी भ्रामक जानकारी फैलाई है। बारस्कर ने इस योजना के सामूहिक विवाह समारोहों को लेकर गलत तथ्य और गलत परंपराओं का उल्लेख कर समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश की है। इस मामले में समाज के वरिष्ठ सदस्यों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की पोस्ट से समाज में आक्रोश है और आने वाली पीढ़ी के युवाओं में गलत संदेश जा रहा है। शिकायत करने वालों में जिला अध्यक्ष भूमका संघ किशोरी बैठे, हरेलाल सेलुकार, आनंद, अभिषेक, ज्ञानराव, लक्ष्मण, ललित सहित दर्जनों भगत-भूमका गण और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समाज के लोगों ने एसपी से इस मामले में उचित कार्रवाई कर न्याय दिलाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय को दी किंग कोबरा की सौगात

इंदौर प्राणी संग्रहालय के स्नैक पार्क और बर्ड पार्क को देख हुए प्रसन्न

● **बर्ड पार्क का भ्रमण** – मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राणी संग्रहालय में स्थित बर्ड पार्क का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री बर्ड पार्क में पक्षियों की विविधता और विभिन्न प्रजातियों को देख कर प्रसन्न हुए। उन्होंने पक्षियों को स्वयं दाना खिलाया। इसके अतिरिक मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिड़ियाघर के भ्रमण के दौरान शुतुरमुर्ग, पॉकेट मंकी और अन्य प्राणियों को निहारा। चिड़ियाघर के भ्रमण में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, अन्य जनप्रतिनिधि और चिड़ियाघर निदेशक डॉ. उत्तम यादव एवं उपस्थित रहे।

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी इंदौर में आयोजित होने वाली मंत्री परिषद की बैठक से पहले आज सुबह कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय का भ्रमण किया। उन्होंने यहां पर किंग कोबरा (मेल) की सौगात भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्नाटक के पीलीकुला बायोलॉजिकल पार्क से लाए गए किंग कोबरा (मेल) को स्नैक पार्क में छोड़ा। इंदौर किंग कोबरा का प्राकृतिक आवास नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा किंग कोबरा (मेल) के लिए बनाए गए आवास की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार बेहतर इको-सिस्टम के लिए सर्प संरक्षण करने को किंग कोबरा की ब्रीडिंग हेतु चिड़ियाघर में विशेष फेसिलिटी बनाई गई हैं। अभी तक प्राणी संग्रहालय में मादा किंग कोबरा थी, अब नर किंग कोबरा के आने से प्राकृतिक रूप से ब्रीडिंग हो सकेगी जो इको-सिस्टम के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

किंग कोबरा अपनी लंबाई, ज़हर और अनोखे व्यवहार के लिए जाना जाता है। किंग कोबरा दुनिया का सबसे लंबा विषैला सर्प है, जिसकी लंबाई 18 फीट तक हो सकती है। किंग कोबरा को सबसे बुद्धिमान साँपों में से एक माना जाता है, क्योंकि यह परिस्थितियों के अनुसार अपने शिकार करने की रणनीति बदलता है। मादा किंग कोबरा अन्य साँपों से अलग होती हैं क्योंकि वे घोंसला बनाकर अंडों को सेती हैं। किंग कोबरा जैव विविधता और इको-सिस्टम के लाभदायक होते है और किसानों के मित्र कहे जाते हैं।

सीएम ने होल्कर साइंस कॉलेज के विद्यार्थियों से किया संवाद

● खेलकूद गतिविधियों में सहभागिता के लिये किया प्रोत्साहित ● खेल के क्षेत्र में प्रदेश के बढ़ते कदम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के राजवाड़ा में होने वाली ऐतिहासिक कैबिनेट बैठक के पहले होल्कर साइंस कॉलेज का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने हार्टिकल्चर लैब का अवलोकन एवं फिजिकल एजुकेशन विंग के विद्यार्थियों से चर्चा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होल्कर साइंस कॉलेज में विद्यार्थियों से संवाद किया। यह क्षण विद्यार्थियों के लिए शुभाशीष से कम नहीं था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने सामने पाकर विद्यार्थियों के चेहरे की खुशी अलग ही दिख रही थी, चारों तरफ खुशी का माहौल था।

खेल के प्रति किया प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से संवाद के दौरान विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगा कर पढ़ाई करने एवं खेलकूद गतिविधियों में सहभागिता करने के लिये प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं, विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों में सुविधाओं का विस्तार कर रही है। हमारे होनहार खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है।

कृषि विकास में अग्रणी राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि विकास और विस्तार की संभावनाओं से भी विद्यार्थियों को रू-ब-रू कराया। उन्होंने शासन की कृषि संबंधी मुख्य योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश कृषि विकास में अग्रणी राज्य की भूमिका अदा करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवाद के दौरान महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से सवाल-जवाब भी किए। विद्यार्थियों द्वारा बड़े उत्साह के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब भी दिया गया। विद्यार्थियों ने बताया कि महाविद्यालय की ओर से खेल गतिविधियों के तहत हमें पचमढ़ी और मनाली शिविर में ट्रैकिंग सहित अन्य गतिविधियां करवाई गई। विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाया।

खंडवा कब्रिस्तान में महिलाओं के शव से छेड़छाड़, कब्र खुदी मिली, जादू टोने की आशंका

अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

खंडवा (नप्र)। कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़ा कब्रिस्तान में तीन महिलाओं की कब्रों से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही सीएसपी अभिनव बारंगे, कोतवाली थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। यहां मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि ये तीनों कब्र महिलाओं की थीं, जिन्हें इसी हफ्ते दफनाया गया था। कब्र से भी छेड़छाड़ की गई है। फिलहाल पुलिस कब्रिस्तान के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

एमपी के 40 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

रीवा में खंभे गिरे, करंट से किसान की मौत; धार में गाज गिरने से 3 घायल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत 40 जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया। मंगलवार सुबह रीवा के चटेह गांव में बिजली के तार की चपेट में आने से एक किसान की जान चली गई। उसकी दो भैंसों की भी मौत हो गई। यहां सोमवार को आंधी-बारिश की वजह से कुछ पेड़ों के साथ बिजली के खंभे गिरे थे। किसान गोपीकृष्ण मिश्रा भैसों को चराने ले जा रहा था। इसी दौरान 11 केवी की विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। उधर, धार के कुक्षी में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोग घायल हो गए। एक बैल की मौत हो गई। खंडवा जिले में भी आकाशीय बिजली गिरने से चार लोग घायल हो गए। खालवा और पिपलोद क्षेत्र में हुई इन घटनाओं में एक छात्रा की स्थिति गंभीर होने पर उसे इंदौर रेफर किया गया है।रीवा में तेज हवा की वजह से टूटी 11 केवी की विद्युत लाइन की चपेट में आकर किसान और उसकी दो भैसों की मौत हो गई।

अगले 4 दिन तक बारिश के आसार – मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल मध्यप्रदेश में सात सिस्टम की एक्टिविटी है। एक टर्फ तो प्रदेश के बीचोंबीच से गुजर रही है। इस वजह से आंधी-बारिश का दौर फिर शुरू हो गया है। हालांकि, ग्वालियर-चंबल में पहले लू का अलर्ट जारी किया गया था, लेकिन सिस्टम की एक्टिविटी की वजह से अगले 4 दिन तक बारिश होने के आसार हैं।

30 से 50 किमी प्रतिघंटा रहेगी आंधी की रफ्तार– मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए जिन जिलों में अलर्ट जारी किया है, उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर और नीमच शामिल हैं। यहां 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश भी होगी।

मई में बारिश-आंधी का दौर, दूसरे पखवाड़े में गर्मी का असर

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मई के महीने में ही सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है। पिछले 10 साल का ट्रेंड देखें तो कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दिन में हीट वेव चलती है तो रातें भी गर्म रहती हैं, लेकिन इस बार मौसम का मिजाज अलग रहा। लगातार 19 दिन तक बारिश हुई है।

रविवार-सोमवार से गर्मी ने असर दिखाना शुरू किया। खासकर छतरपुर जिले के खजुराहो-नौगांव, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, उज्जैन, निवाड़ी, नीमच, मंदसौर में गर्मी का असर रहा। अगले कुछ दिन तक बारिश का दौर बना रहेगा। इसके बाद ही गर्मी का असर तेज होने की संभावना है।

मप्र के श्रद्धालुओं के लिए सौगात, भारत गौरव ट्रेनें

यहीं से मिलेगा केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर का कंफर्म टिकट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए आईआरसीटीसी ने जून और जुलाई में विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों की घोषणा की है, जिनमें से एक ट्रेन 7 जून को नागपुर से और दूसरी 5 जुलाई को इंदौर से रवाना होगी। इन ट्रेनों की खास बात यह है कि केदारनाथ यात्रा करने वाले यात्रियों को कंफर्म हेलिकॉप्टर टिकट देने के साथ बाबा केदार के दर्शन कराए जाएंगे। भोपाल, इटारसी, बीना, उज्जैन, रतलाम जैसे मध्यप्रदेश के प्रमुख स्टेशनों से यात्री इन ट्रेनों में सवार हो सकेंगे। आईआरसीटीसी की ये दोनों ट्रेनें उत्तर और दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराएंगी, जिसमें श्रद्धालुओं को पूरी यात्रा के दौरान आवास, भोजन, यात्रा बीमा, ऑनबोर्ड सुविधाएं और अनुभवी टूर गाइड्स की सेवा भी मिलेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनें मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों से होकर गुजरेंगी, जिससे राज्य के हर कोने से श्रद्धालु इस विशेष यात्रा का हिस्सा बन सकें।

देवभूमि यात्रा : हेलिकॉप्टर से केदारनाथ दर्शन

आईआरसीसीटी के रीजनल मैनेजर आर भट्टाचार्य का कहना है कि पहली विशेष ट्रेन 'देवभूमि बड़ी केदार कार्तिक स्वामी यात्रा' 7 जून 2025 को नागपुर से रवाना होगी। यह ट्रेन नागपुर, इटारसी, भोपाल, बीना, झांसी, ग्वालियर, आगरा, मथुरा होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। वहां से यात्रियों को रोड यात्रा द्वारा केदारनाथ, कार्तिक स्वामी और तुंगनाथ जैसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

गांधी मेडिकल कॉलेज में की गई केस स्टडी

मधुमेह से बढ़ रही आंखों की समस्या

भोपाल (नप्र)। मधुमेह यानी डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर से जुड़ी बीमारी नहीं है, यह आंखों समेत शरीर के कई अंगों पर असर डालती है। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में की गई केस स्टडी के अनुसार, मधुमेह से पीड़ित हर 10 में से 6 मरीज आंखों से जुड़ी किसी न किसी बीमारी का शिकार हो रहे हैं। इनमें डायबिटिक रेटिनोपैथी, मैक्युलर एडिमा और ग्लूकोमा जैसी गंभीर समस्याएं शामिल हैं, जो समय रहते इलाज न मिलने पर अंधापन का कारण बन सकती हैं।

हर 10 में से 6 मरीजों में रोशनी पर

लंबे समय तक डायबिटीज रहने पर आंखों की नसों से ब्लड रिसाव होने लगता है : विभागाध्यक्ष डॉ. कविता कुमार

जीएमसी के नेत्र रोग विभाग द्वारा की गई यह स्टडी लगभग एक हजार मधुमेह मरीजों पर आधारित है। विभागाध्यक्ष डॉ. कविता कुमार के अनुसार, लंबे समय तक डायबिटीज रहने पर आंखों की नसों से ब्लड रिसाव होने लगता है, जिससे दृष्टि धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। यही नहीं, कई मामलों में अचानक आंखों की रोशनी पूरी तरह चली जाती है।

ग्लूकोमा के मामले भी बढ़ रहे

हमीदिया अस्पताल के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस कुबरे बताते हैं कि डायबिटीज के कारण ग्लूकोमा (कालापानी) के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। पहले यह बीमारी 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में देखी जाती थी, लेकिन अब 40 की उम्र से पहले ही मरीज सामने आने लगे हैं।

इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए

बार-बार चश्मा नंबर बदलना
आंखों में खुजली
आंसू आना
सिरदर्द

मधुमेह से जुड़ी प्रमुख समस्याएं

डायबिटिक रेटिनोपैथी: यह सबसे आम समस्या है, जिसमें आंख की रेटिना की रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और नजर धुंधली होने लगती है। समय पर इलाज न मिलने पर अंधापन हो सकता है।

मैक्युलर एडिमा: इसमें रेटिना में तरल भरने लगता है, जिससे देखने की क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति धीरे-धीरे दृष्टि को नुकसान पहुंचाती है।

कैटरैक्ट (मोतियाबिंद): डायबिटीज लेंस को धीरे-धीरे धुंधला करने लगता है। शुगर लेवल ज्यादा समय तक अधिक बना रहे तो मोतियाबिंद का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

बचाव के उपाय

नियमित जांच: हर डायबिटीज मरीज को साल में एक बार आंखों की जांच करानी चाहिए। सरकारी अस्पतालों में यह सुविधा कम लागत पर उपलब्ध है।

स्वस्थ जीवनशैली: संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और तनाव से दूरी मधुमेह को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

धूम्रपान व शराब से परहेज: ये आदतें आंखों की सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं और डायबिटीज को बेकाबू करती हैं।

निलोफर ने श्रेया बन हिंदू युवक को फंसाया, शादी के बाद धर्म परिवर्तन के पीछे पड़ी...

पोल खुली ,तो 3 बच्चों की निकली मां

भोपाल (नप्र)। अब तक आपने हिंदू लड़कियों के लव जिहाद का शिकार होने की खबरें सुनी हैं, लेकिन राजधानी भोपाल में तो कुछ अलग ही मामला सामने आया है। यहां एक हिंदू युवक को एक मुस्लिम लड़की ने लव जिहाद के जाल में फंसाया है। निलोफर नाम की लड़की ने श्रेया बनकर पहले हिंदू युवक को प्रेम जाल में फंसाया फिर उससे जबरन शादी कर ली। शादी के बाद अब धर्म परिवर्तन का दबाव बना रही है।

जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम के रहने वाले शेखर सिलावट ने थाने में लिखित आवेदन दिया था। शेखर नर्मदापुरम का रहने वाला है। वह भोपाल में योजना बिहार चाणक्यपुरी में रहता है और प्राइवेट नौकरी करता है। उसने पुलिस को बताया कि उसकी मुलाकात कॉलोनी में रहने वाली श्रेया से हुई थी। वे दोनों दोस्त बन गए और मिलने-जुलने लगे। श्रेया ने उसे बताया कि वह भी अकेली रहती है और नौकरी करती है। उसकी फेसबुक और इंस्टाग्राम आईडी भी श्रेया नाम से थी। दोनों की चैटिंग भी होती थी।

ब्लेड और फंदे की तस्वीरें भेजकर देती थी धमकी – शेखर के अनुसार, श्रेया उस पर 2021-22 से शादी का दबाव बना रही थी। लेकिन शेखर और उसका परिवार इसके लिए तैयार नहीं थे। इसके बाद श्रेया ने उसे धमकी दी कि अगर वह शादी नहीं करेगा तो वह उसे रेप के झूठे मामले में फंसा देगी। शेखर ने बताया कि श्रेया ने उसे ब्लेड और फांसी के फंदे की तस्वीरें भेजीं। उसने कहा कि अगर वह शादी नहीं करेगा तो वह ब्लेड से अपनी नस काटकर मर जाएगी और सुसाइड नोट में उसका नाम लिख देगी। श्रेया ने उसे 6 मई 2025 को मंदिर बुलाया और कहा कि अभी सिर्फ हार-फूल की माला डाल लो। बाद में जब परिवार राजी हो जाएगा तो शादी कर लेना।

डॉक्टरों ने जताई चिंता

3 से 5 दिन बुखार और गले में खराश हो तो तुरंत जांच कराएं, हो सकता है कोविड-19 जैसा वायरस

भोपाल (नप्र)। अगर आपको 3 से 5 दिन बुखार आ रहा है, गले में खराश और खांसी है, सांस लेने में तकलीफ हो रही है, शरीर में दर्द और थकान है या ऑक्सीजन स्तर गिर रहा है तो तत्काल जांच कराएं। यह कोविड जैसा वायरस हो सकता है। यह हवा से फैलता है। जिस वायरस ने दुनिया को घरों में कैद कर दिया था, उसकी परछाई एक बार फिर मंडराने लगी है। चीन, सिंगापुर, थाईलैंड जैसे एशियाई देशों में कोविड की नई लहर के बीच मुंबई, इंदौर भोपाल सहित मध्यप्रदेश में भी कोविड जैसा वायरस लोगों अपनी चपेट में ले रहा है।

जेपी अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में 10-15 दिनों में कई ऐसे मरीज आए हैं, जिनमें कोविड-19 जैसे लक्षण हैं। खास बात ये है कि कुछ गंभीर मरीजों के जब सीटी स्कैन कराए गए तो फेफड़ों में वही 'ग्राउंड ग्लास अपेसिटी' जैसी इमेजिंग दिखाई दे रही है, जैसी कोविड के दौरान दिखती थी। पल्मोनरी विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई सामान्य वायरल संक्रमण नहीं लगता लेकिन जेएन 1 वायरस हो सकता है। हालांकि, आरटीपीसीआर जांच में यह पॉजिटिव कम ही आ रहा है।

क्या है जेएन-1 और एलएफ-7 वेरिएंट – विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशों में फैले जेएन 1 और एलएफ 7 वेरिएंट की एंट्री भारत में हो चुकी है, लेकिन इसकी पुष्टि के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग जरूरी है। डब्ल्यूएचओ ने पहले ही जेएन 1 को वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट घोषित कर दिया है। यह वेरिएंट मौजूदा वैक्सीनेशन या पूर्व संक्रमण से बनी इम्युनिटी को चकमा देने में सक्षम है।

हालांकि डब्ल्यूएचओ की मानें तो मोनोवैलेंट बूस्टर से कुछ हद तक सुरक्षा मिल सकती है, लेकिन भारत में यह बूस्टर अभी व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं है। देश में कोरोना के केस भले ही कम हैं, लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एहतियात के तौर पर फिर से अपना कोविड-19 डैशबोर्ड चालू कर दिया है। 18 मई 2025 को दर्ज आंकड़ों के अनुसार, देश में 257 एक्टिव केस हैं, जिनमें से कुछ मरीजों की हालत गंभीर बताई गई है।

आरटीपीसीआर जांच की सुविधा सभी सरकारी अस्पतालों में मौजूद – इधर, सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी का कहना है कि अभी सेंट्रल से कोई गाइडलाइन नहीं आई है, लेकिन एहतियातन सभी सरकारी अस्पतालों में जांच के लिए आरटीपीसीआर किट मौजूद है। अगर किसी व्यक्ति को जांच करानी हो तो वह जांच करा सकता है, हालांकि अभी मॉस सैंपलिंग नहीं की जा रही है। गाइडलाइन आने के बाद ही आगे की रणनीति तय की जाएगी। कोई विशेष कोविड अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि भीड़भाड़ से बचें, मास्क पहनें और लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

हाल ही में कुछ मरीजों के सीटी स्कैन में कोविड जैसे ग्राउंड ग्लास ओपेसिटी और दोनों फेफड़ों में इनफिल्ट्रेशन देखे गए हैं, हालांकि जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर चिंता की बात नहीं है, लेकिन कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन जारी रखना जरूरी है।

–डॉ. विकास मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विशेषज्ञ, आरआईआरडी